• जयपुर, गुरुवार 30 अप्रैल 26 • वर्ष 15 • अंक 184 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com
डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
RNI. No. RAJHIN/2011/40950
दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम
चमकता राजस्थान
विज्ञापन के लिए : 93145 05000
जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित
अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

“सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।”

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 जज-रेफ़री बैठक में जिला योगासन प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर रणनीति तय...
पेज @4 किड्स पैराडाइज स्कूल बाड़ी में बोर्ड परीक्षा मेधावी विद्यार्थियों का भव्य...
पेज @8 राजस्थान को एक वर्ल्ड-क्लास पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करना...

काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे पीएम मोदी

108 बटुकों ने किया शंखनाद, 14 किलो मीटर के रोड शो में बरसाए गए फूल

वाराणसी/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी (काशी) में भव्य रोड शो किया। करीब 14 किलोमीटर लंबे इस रोड शो के दौरान शहर देशभक्ति और उत्साह के रंग में रंगा नजर आया। पीएम बीएलडब्ल्यू गेस्ट हाउस से रवाना होकर काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे, जहां उनका पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया।

मंदिर के प्रवेश द्वार पर 108 बटुकों ने शंखनाद कर प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया। इसके बाद उन्होंने बाबा विश्वनाथ के दरबार में विधिवत पूजा-अर्चना की। पांच पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा कराई, उन्हें माला पहनाई गई और त्रिपुंड लगाकर आशीर्वाद दिया गया।

रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

रोड शो के दौरान जगह-जगह भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर कार्यकर्ता नाचते नजर आए, जबकि काफिले पर फूलों की बारिश की गई। पीएम मोदी ने भी हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

हरदोई में करेंगे गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन

मंदिर दर्शन के बाद प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से एयरपोर्ट रवाना होंगे और वहां से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हरदोई जाएंगे। यहां वे 594 किलोमीटर लंबे गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन करेंगे, जो मेरठ को प्रयागराज से जोडने़ वाला देश के सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे में से एक होगा।

न्यूज़ अपडेट

छत्तीसगढ़ में कांपी धरती, अचानक लगे भूकंप के झटके

गरियाबंद/एजेंसी। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए और इससे धरती भी कांप गई. इसके अलावा उड़ीसा सीमा से सटे देवभोग-सुपेबेड़ा क्षेत्र में कंपन हुआ और इससे लोग बुरी तरह से डर गए. जैसे ही भूकंप के झटके आए. लोगों में अफरा-तफरी मच गई और लोग घबराकर अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए. घरों में रखे बर्तन और सामान तक हिलने लगे. भूकंप के झटकों ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है. जैसे ही भूकंप के झटके लगे. लोग घबराकर अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए. राहत की बात यह रही कि अब तक किसी बड़े नुकसान या जनहानि की खबर सामने नहीं आई है. यह ख़बर बिल्कुल अभी आई है और इसे सबसे पहले आप ठी६२18ळ्ह्ल पर पढ़ रहे हैं. जैसे-जैसे जानकारी मिल रही है, हम इसे अपडेट कर रहे हैं. ज्यादा बेहतर एक्सपीरिएंस के लिए आप इस खबर को रीफ़्रेश करते रहें, ताकि सभी अपडेट आपको तुरंत मिल सकें.

बेंगलुरु में दीवार ढही: दो बच्चों समेत सात की मौत, सीएम सिद्धारमैया ने बताई हादसे की असली वजह

बेंगलुरु/एजेंसी

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में भारी बारिश का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है. बुधवार को बेंगलुरु के बॉरिंग अस्पताल के पास स्थित मोर्चरी क्षेत्र में एक कंपाउंड की दीवार गिरने से एक बड़ा हादसा हो गया. मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि इस दर्दनाक हादसे में अब तक कुल 7 लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें दो मासूम बच्चे भी शामिल हैं. इसके अलावा हादसे में 7 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है.

● **बेंगलुरु दीवार हादसे में जान गंवाने वालों के नाम**

» ताबीन ताज (47)
» मुबीन ताज (49)
» माया (51)
» साजिद (20)
» अज़्यु (35)
» प्रीति (51)
» सिज़ी (47)

मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख की आर्थिक मदद

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटना स्थल की स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि बेंगलुरु प्रशासन ने उस क्षेत्र में स्ट्रीट वेंडर्स (रेहड़ी-पटरी वालों) को अपना सामान बेचने की अनुमति दी थी, जिसके कारण बारिश के दौरान वहां काफी लोग मौजूद थे. दीवार गिरने की वजह से ये लोग मलबे की चपेट में आ गए. मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए 5-5 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है.

कर्नाटक सरकार करवाएगी मामले की जांच

» सिद्धारमैया ने सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि इस पूरे मामले की गहन जांच की जाएगी. उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि जांच में किसी भी अधिकारी या व्यक्ति की लापरवाही सामने आती है, तो उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल प्रशासन राहत कार्य और मलबे को पूरी तरह साफ करने में जुटा हुआ है.

होर्मुज की बाधा पार कर भारत के लिए सुरक्षित निकला विशाल एलएनजी टैंकर, देश में ऊर्जा संकट होगा खत्म

नई दिल्ली/एजेंसी

अमेरिका और ईरान की तनातनी ने मिडिल ईस्ट के समंदर को बारूद के ढेर में बदल दिया है। पूरी दुनिया सांसें रोककर बैठी है कि कब कौन सी मिसाइल तेल के बाजार में आग लगा दे। लेकिन इस खौफनाक और दमघोंटू माहौल के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने भारत की टेंशन छूमंतर कर दी है। जी हां, दुनिया के सबसे खतरनाक और विवादित समुद्री रास्ते 'होर्मुज जलडमरूमध्य' से एक ऐसा चमत्कार हुआ है, जिसकी उम्मीद कम ही लोग कर रहे थे। युद्ध की आहट के बाद पहली बार प्राकृतिक गैस से लदा एक भीमकाय जहाज इस 'मौत के समंदर' को चीरते हुए सुरक्षित बाहर निकल आया है।

खाड़ी में फंसा 'मुबाराज़' जहाज भारतीय सीमा के पास दिखा

जहाजों के आवाजाही की जानकारी देने वाले ट्रैकिंग डेटा ने एक बड़ा खुलासा किया है। सोमवार को 'मुबाराज़' नाम के इस विशाल जहाज को भारतीय समुद्री क्षेत्र के आस-पास देखा गया है। इस जहाज में मार्च के महीने में ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के दास द्वीप संयंत्र से एलएनजी भरी गई थी। लेकिन, अचानक युद्ध भड×कने के कारण यह जहाज खाड़ी क्षेत्र में ही बुरी तरह फंस गया था। हालात इतने खराब हो गए थे कि लगभग 31 मार्च को इस जहाज ने अपने सिग्नल भेजने तक बंद कर दिए थे। अब इस सप्ताह भारतीय जलक्षेत्र के करीब इसके दोबारा दिखने से यह उम्मीद जगी है कि दुनिया के सबसे अहम ऊर्जा मार्ग पर तनाव कुछ कम हो रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, मुबाराज़ जहाज फिलहाल चीन की ओर बढ़ रहा है और मई के पहले सप्ताह में इसके भारत पहुंचने की पूरी संभावना है।

आखिर एलएनजी क्या है और होर्मुज पर क्यों मचा है कोहराम?

ारत की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला की रीढ़ मानी जाती है। प्राकृतिक गैस को -162 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा करके तरल रूप में बदला जाता है, जिससे इसका आयतन काफी कम हो जाता है और जहाजों के जरिए इसे लंबी दू-री तक सुरक्षित ले जाना आसान हो जाता है। हालांकि इसका सीधा इस्तेमाल घरों में नहीं होता, लेकिन यह देश की पूरी गैस आपूर्ति प्रणाली को ऊर्जा प्रदान करने का काम करती है। हाल ही में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से सभी व्यापारिक जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाकर वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी हड×कंप मचा दिया था। इसके जवाब में अमेरिका ने भी इस अहम मार्ग पर कड़ी नाकाबंदी कर दी थी। आपको बता दें कि यह वही रास्ता है जहां से पूरी दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत (एक-पांचवीं) एलएनजी की सप्लाई होती है।

राहुल गांधी ने किया ग्रेट निकोबार द्वीप का दौरा, केंद्र की परियोजना पर बोले- ये विकास नहीं, विनाश है

नई दिल्ल। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को ग्रेट निकोबार द्वीप के दौरे का वीडियो शेयर किया और केंद्र सरकार पर निशाना। उन्होंने केंद्र की ग्रेट निकोबार द्वीप विकास परियोजना पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह विकास नहीं, बल्कि विकास की भाषा में छिपा हुआ विनाश है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी वीडियो में ग्रेट निकोबार द्वीप के जंगल में घूमते हुए नजर आए। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज मैंने ग्रेट निकोबार की यात्रा की। ये मेरी जिंदगी के सबसे अनोखे जंगल हैं। ऐसे पेड़ जो हमारी यादों से भी पुराने हैं। ऐसे जंगल जिन्हें उगने में कई पीढ़ियां लग गईं। इस द्वीप के लोग भी उतने ही खूबसूरत हैं, चाहे वे आदिवासी समुदाय हों या वहां बसने वाले लोग,

लेकिन उनसे वह सब छीना जा रहा है जिस पर उनका हक है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, सरकार यहां जो कर रही है, उसे वह प्रोजेक्ट कहती है। लेकिन मैंने जो देखा, वह कोई प्रोजेक्ट नहीं है। यह लाखों पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलाने की तैयारी है। यह 160 वर्ग किलोमीटर का वर्षावन है जिसे खत्म होने के लिए छोड़ दिया गया है। ये ऐसे समुदाय हैं जिनकी अनदेखी की गई, जबकि उनके घर उनसे छीन लिए गए। यह विकास नहीं है। यह तो विकास की भाषा में छिपा हुआ विनाश है। राहुल गांधी ने पोस्ट में यह भी कहा कि ग्रेट निकोबार में जो कुछ हो रहा है, वह सबसे बड़ा घोटाला और इस देश की प्राकृतिक व आदिवासी विरासत के खिलाफ सबसे गंभीर अपराधों में से एक है। उन्होंने कहा, इसे रोका जाना चाहिए। और इसे रोका जा सकता है, अगर भारतीय भी वही देखें जो मैंने देखा है।

संपादकीय

ट्रंप पर दूसरा हमला

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर वाशिंगटन के होटल हिल्टन में डिनर पार्टी के दौरान हुए जानलेवा हमले से जहां अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं यह ट्रंप की अपने ही देश में बढ़ती अलोकप्रियता का भी यह स्पष्ट संकेत है। हमलावर अमेरिकी है और वो ट्रंप को गद्दार बता रहा था। हालांकि अमेरिकी सीक्रेट एजेंटों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई करते हुए हमलावर को दबोच लिया, लेकिन असल सवाल यही है कि इस अति उच्च स्तर की डिनर पार्टी में हमलावर हथियार लेकर पहुंचा कैसे? सुरक्षा एजेंसियों को इसकी भनक क्यों नहीं लग पाई। जांच एजेंसियां इस हमले के पीछे ईरान कनेक्शन भी ढूंढ रही है, लेकिन प्राथमिक जांच में इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। गौरतलब है कि अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में शनिवार रात एक बार फिर हमले की कोशिश हुई। हालांकि हमलावर सीधे ट्रंप तक नहीं पहुंच पाया और घटनास्थल में घुसने के बाद ही राष्ट्रपति की सुरक्षा में जुटे सीक्रेट सर्विस एजेंट्स ने उसे मुठभेड़ के बाद जिंदा पकड़ लिया। हमलावर का नाम कोल टॉमस एलन बताया गया है, जो कि कैलिफोर्निया में एक शिक्षक रह चुका है। शुरूआती जांच में खुलासा हुआ है कि हमलावर ने इसकी लंबी प्लानिंग की थी। वह खुद भी होटल में बतौर अतिथि रूका हुआ था। इसलिए सुरक्षा एजेंसियों को उस पर शक नहीं हुआ और वह सुरक्षा घेरे को भेदकर पार्टी में पहुंच सका। हमलावर के हाथ में शॉटगन, हैंडगन और कई चाकू थे। खुद राष्ट्रपति ट्रंप ने घटना के बाद बताया कि हमलावर कमरे (बॉलरूम) से लगभग 50 गज की दूरी पर था, जब उसने सुरक्षा चेकपॉइंट की ओर तेजी से दौड़ लगाई थी। बॉल रूम में पहुंचने के बाद उसने ताबड़तोड़ गोलियां दागीं, जिससे कई लोगों ने टेबलों के नीचे छिपकर अपनी जान बचाई। अमेरिकी कानून के मुताबिक हमलावर को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा हो सकती है। इस हमले के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ- साथ दुनिया के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने इस हमले में राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के सकुशल बचने पर राहत जताई है। हालांकि जितनी जल्दी ट्रंप के सकुशल बचने पर भारत की सकारात्मक प्रतिक्रिया सामने आई, वैसी ईरानी सुप्रीमो अयातुल्लाह खामेनेई और उनके साथियों की अमेरिका द्वारा हत्या के मामले में नहीं दिखाई दी। अगर हमलावर का कोई ईरानी कनेक्शन नहीं है तो यह माना जाएगा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रप की लोकप्रियता अपने ही देश में अब निचले स्तर पर है। ईरान युद्ध में उनकी कूटनीतिक और सैनिक विफलता उजागर हो चुकी है। उनके बड़बोलेपन और अस्थिर मनोवृत्ति का खमियाजा पूरी दुनिया भुगत रही है। बावजूद इस सचाई के किसी भी राजनेता पर हिंसक हमला कहीं से भी जायज नहीं ठहराया जा सकता। वैसे भी बीते दो साल में ट्रंप पर यह दूसरा जानलेवा हमला है।

दोनों में वो बच गए, यह भाग्य की बात है, लेकिन इससे उनके व्यवहार और कार्यशैली में किसी तरह की गंभीरता और विश्वसनीयता आई हो, यह कहीं से नहीं लगता। ईरान युद्ध और समूचे विश्व को ऊर्जा संकट में धकेलना ट्रंप की अदूरदर्शी नीतियों का ही परिणाम है। अगर उन्होंने युद्ध के बजाए कूटनीति से ही काम लिया होता तो दुनिया इतनी परेशान नहीं होती। ट्रंप यह भूल जाते हैं कि ईरान संकट की वजह से बाकी दुनिया के साथ साथ खुद अमेरिकी भी बहुत परेशान हैं। भारतीयों के प्रति उनके मन में विद्वेष के चलते कई प्रतिभाशाली भारतीय अब अमेरिका छोड़ने का मन बना रहे हैं। उधर ईरान ने जिस तरह ट्रंप को अपनी कूटनीति के जाल में फंसा दिया है, उससे निकलने का रास्ता भी ट्रंप को नहीं सूझ रहा है। हालांकि वो अब विक्टिम कार्ड खेलेंगे, यह तय है।

रिकॉर्ड मतदान किसके लिए फायदेमंद

भारतीय चुनाव में जो कभी नहीं हुआ वह 2026 पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हो गया। अभी तक 92.86 प्रतिशत मतदान रिकॉर्ड हुआ है। तमिलनाडु का भी लगभग 85 प्रतिशत मतदान एक रिकॉर्ड है। अंतिम आंकड़ा आने के बाद इसमें और वृद्धि होगी। पूर्वोत्तर राज्यों में मतदान प्रतिशत औसत से अधिक रहा है किंतु वहां भी केवल 2018 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में 91.4% मतदान हुआ था। बंगाल में 2011 से मतदान औसत से ज्यादा रहा। 2011 में 84.5%, 2016 में 82.56% और 2021 में 81.56% मतदान हुआ। वैसे 2010 के बाद से मतदान में वृद्धि देशव्यापी प्रवृत्ति रही है। मतदान अंकगणित का विषय है लेकिन इसकी परिणति राजनीतिक होती है और उनके मायने राजनीति के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक आयाम तक जाते हैं। बंगाल का दूसरा चरण अभी बाकी है इसलिए संपूर्ण मूल्यांकन उसके बाद ही होगा।

चुनाव के दौरान बने हुए माहौल का संकेत यही है की मतदान की रिकॉर्ड प्रवृत्ति में ज्यादा अंतर नहीं आने वाला और यहीं संकेत भी छिपा हुआ है। 2010 के पहले सामान्य मतदान में वृद्धि को सत्तारूढ़ पार्टी या घटकों की पराजय के रूप में देखा जाता था और अधिकतर मामलों में ऐसा ही हुआ। बाद में यह प्रवृत्ति बदल गई। मतदान बढ़ाने के बावजूद सरकारें वापस आती रही और मतदान घटना पर भी कई सरकारें गईं। इसलिए सामान्यतः मतदान का प्रतिशत किसी सरकार के जाने या नई सरकार के आने या इसके विपरीत राजनीति परिणाम का निश्चयात्मक संकेत नहीं माना जा सकता।

बंगाल में 2011 में 84.5 प्रतिशत का रिकार्ड मतदान हुआ और वामपंथी मोर्चे की 34 वर्षों की स्थापित सरकार चली गई। उसके बाद मतदान प्रतिशत थोड़ा-थोड़ा घटा किंतु ममता वापस आती रहीं। चुनाव आयोग द्वारा विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान या एसआईआर की प्रक्रिया के कारण अब वास्तविक मतदाताओं के नाम ही बचे हैं इसलिए हर राज्य में मतदान प्रतिशत संतोषजनक होगा। पिछले वर्ष बिहार के चुनाव में 67.25% मतदान हुआ जो 2020 के 57.29 प्रतिशत से 9.96% ज्यादा था। बिहार में लगभग 65 लाख नाम एसआईआर की प्रक्रिया में हटाए गए थे। बंगाल में कुल 90 लाख 83 हजार 345 मतदाताओं का नाम सूची से हटा। कई लाख मतदाताओं ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई हुई है और न्यायिक प्राधिकरणों को फैसला करना है। किंतु 7.66 करोड़ की जगह मतदाताओं की संख्या 6.7 करोड़ रह गई। यह सच नहीं है कि प्रतिशत ज्यादा होते हुए भी कुल मतों की संख्या इतनी नहीं बढी। पिछले चुनाव से लगभग 26 लाख ज्यादा मतदाताओं ने मतदान किया। भारी संख्या में मृतक, दूसरे जगह चले गए या दो जगह नाम वाले या कुछ फर्जी नाम मतदाता सूची में थे और उनके नाम मतदान होते थे जिनकी संख्या बहुत बड़ी थी। इनके नाम पर कितने वोट डाले गए इसकी गणना कोई नहीं कर सकता। अगर 6.77 करोड़ मतदाताओं के आधार पर पिछला मतदान होता तो मतदाताओं की संख्या कम

होती और इस बार वृद्धि बहुत ज्यादा होती। इस महत्वपूर्ण पहलू की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

2011 में ममता बनर्जी ने लगभग 5 वर्षों के अनवरत संघर्ष और आक्रामकता से मतदाताओं में वाममोर्चा सरकार के विरुद्ध गुस्सा एवं आलोड़न पैदा किया था। वाम मोर्चा समर्थक भी उनके साथ आये और तृणमूल का अपना भी आधार खड़ा हुआ। जब से भाजपा ने बंगाल में अपनी विचारधारा और राजनीति को जमीन पर उतारने का अभियान चलाया ममता के विरुद्ध समाज के निचले स्तरों पर जबरदस्त आलोड़न है और कुछ महीनो में 2011 पूर्व की स्थिति ममता एवं भाजपा के संदर्भ में उल्टी है। ममता समर्थक और विरोधी तथा भाजपा समर्थक और विरोधी दोनों पक्षों में स्वयं और अपने मतदाताओं को ज्यादा संख्या में मतदान केन्द्रों तक पहुंचाने की प्रबल भावना है। 2019 लोकसभा चुनाव में इसका परिणाम दिखा जब भाजपा ने 40% मत के साथ राज्य 18 सीटें जीत ली। 2018 पंचायत चुनाव में भी जबरदस्त आलोड़न था और संकेत मिल गया कि भाजपा जमीन पर नीचे तक पहुंची है तथा राज्य से कांग्रेस और वाम दलों का लगभग सफाया हो चुका है। भाजपा और उसके विरोधियों की दो ध्रुवीय राजनीति में पक्ष और विपक्ष दोनों तरह की लहर भारत में देखा गया है। 2021 में भी भाजपा ने वातावरण बनाने की कोशिश की पर तब तीन सीटों से बहुमत के 148 तक पहुंचना बंगाल के सामाजिक - सांप्रदायिक समीकरणों में कठिन था। इसलिए लगभग 38% मत के साथ हुआ 77 सीटों तक पहुंच पाये। कोरोना महामारी के कारण बनाए गए सरकार विरोधी माहौल का भी थोड़ा असर हुआ। बंगाल में 1967 के बाद से ही मतदाताओं की सुरक्षा आम लोगों के लिए हमेशा बड़ा मुद्दा रहा है। चुनावी रैगिंग या धांधली प्रदेश का स्वाभाविक चरित्र पिछले 60 सालों में बना रहा है। कांग्रेस फिर वाम दल और तृणमूल कांग्रेस ने भी इस प्रवृत्ति को ज्यादा निष्ठुरता से कायम रखा।

इस बार मतदाताओं का बड़ी संख्या में निकलने का एक प्रमुख कारण मतदान और बाद में के लिए दिखता सुरक्षा आश्वासन था। पहले चरण के लिए केंद्रीय बलों की 2407 कंपनी, 2193 क्विक रिस्पांस टीम व 40,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। जहां कुछ कुछ समस्या हो रही थी मतदान के पहले से ही केंद्रीय बल तुरंत पहुंचते थे। मतदान के दौरान जहां भी समस्या आई सुरक्षा बल ज्यादातर पहुंचे। इसके बावजूद दक्षिण दिनाजपुर के एक भाजपा उम्मीदवार को लोगों द्वारा खदेड़ने और पकड़ कर पिटाई करते वीडियो देखने से अनुमान लग जाता है कि मतदान कैसे भय और आतंक के वातावरण में होता रहा। सुरक्षा व्यवस्था के कारण ही हिंसा में भी रिकॉर्ड कमी आई। मतदान बाद निश्चित समय तक केंद्रीय बलों की उपस्थिति के निर्णय ने भी मतदाताओं में सुरक्षा भाव पैदा किया। 2021 उसके पहले 2019 और 2018 तीनों चुनावों में मतदान बाद की हिंसा और लोगों के पलायन से भय का माहौल बना था। चुनाव अभियान के बीच प्रदेश की यात्रा करने वालों को 2026 में माहौल में बदलाव दिख रहा था। मतदाता धीरे -धीरे खुलकर अपना मत प्रकट करने लगे थे। लंबे समय बाद मतदान हत्याविहीन, न्यूनतम हिंसा और निर्भयता के वातावरण में संपन्न हुआ है। निस्संदेह, परिणाम में भी यह दिखाई देगा।

ममता और समर्थकों की आक्रामकता का जवाब भाजपा ने भी प्रति आक्रामकता से दिया। गृह मंत्री अमित शाह तक के भाषणों में भी आक्रामकता थी ताकि उनके समर्थक मतदाता भयरहित होकर मतदान के लिए निकलें और आक्रमण होतो उसका प्रतिकार करें या सुरक्षा बलों तक सूचना पहुंचाएं। ममता ने अपनी शैली में हमलावर प्रचार किया और यहां तक कहा कि किसी कार्यकर्ता के साथ कार्रवाई होगी तो सरकार उसके साथ खड़ी ही नहीं रहेगी बल्कि कुछ संस्थाओं के मामले में यहां तक कहा कि उसको हम सरकारी नौकरी दे देंगे। पहले भी ममता उन सबकी रक्षा में सामने दिखीं जिनके विरुद्ध भ्रष्टाचार या अपराध के मामलों में केंद्रीय एजेंसियों ने कार्रवाई की। इसका असर उनके घोर समर्थकों पर था। देश भर में आम मुसलमान भाजपा के विरुद्ध मतदान करता है और उनकी संख्या कहीं कहीं शत-प्रतिशत तक चली जाती है। बंगाल में उनकी आबादी 29 से 30 प्रतिशत के बीच होगी। वे भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए मतदान करने निकले ही होंगे। उसकी प्रतिक्रिया में गैर मुस्लिम समुदाय भी निकले हैं जो टीवी कैमरों पर दिख रहे थे। मुर्शिदाबाद , मालदा, दक्षिण दिनाजपुर आदि जिलों में निकले मतदाता गवाही दे रहे थे कि दोनों पक्षों में करो या मरो का भाव पैदा हो चुका है। जिलों के हिसाब से देखें तो दक्षिण दिनाजपुर में 95.4% , मालदा में 94.43%, मुर्शिदाबाद में 93.58%, उत्तर दिनाजपुर में 94.15%, अलीपुरद्वार में 92.69% , झारग्राम में 92.5%, पश्चिम मेदिनीपुर में 92.118% , बांकुरा में 92.5 0%, पूर्वी मेदिनीपुर में 91.20 प्रतिशत, तथा कूच बिहार में सबसे अधिक 96% मतदान हुआ है।

अध्यात्म

बैटल ऑफ बेंगल: क्या ममता बनर्जी रचने जा रही हैं एक इतिहास

RJ Rakesh

पश्चिम बंगाल की तप्त सरज़मीन पर इस वक़्त जो सियासी घमासान मचा है, वो महज़ एक चुनाव नहीं बल्कि एक नए युग की दस्तक है। अगर इस बार ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस फिर से हुकूमत बनाने में कामयाब होती है, तो ये भारतीय लोकतंत्र के पन्नों पर एक ऐसा शानदार रिकॉर्ड दर्ज होगा, जिसे पार करना आने वाली कई दहाइयों तक किसी भी सियासतदान के लिए मुमकिन नहीं दिखता। 'दीदी' इस वक़्त जिस मुक़ाम पर खड़ी हैं, वहाँ से वो एक ऐसी बुलंदी को छू सकती हैं, जहाँ आज तक भारत की कोई भी महिला मुख्यमंत्री नहीं पहुँच सकी है।

ऐतिहासिक कीर्तिमान: वो अटूट सिलसिला और जीत का दबदबाममता बनर्जी आज उस मुक़ाम पर खड़ी हैं जहाँ वो भारत की पहली ऐसी महिला मुख्यमंत्री बनने की कगार पर हैं, जो निरंतरता के साथ लगातार चार बार (2011, 2016, 2021 और 2026) अपनी जीत का परचम लहराकर सत्ता संभालेंगी। ये कोई मामूली उपलब्धि नहीं है। तुलना करें तो उत्तर प्रदेश की सियासत में मायावती ने भी चार बार सत्ता की बागडोर संभाली, लेकिन उनकी जीत में वो 'कंटिन्यूइटी' नहीं थी; उनका कार्यकाल टुकड़ों में रहा। साथ ही, उन्हें ममता बनर्जी की तरह हर बार पूर्ण बहुमत के साथ जनता का ऐसा अटूट और बेमिसाल जनादेश कभी नहीं मिला। ममता बनर्जी की ये संभावित जीत ये मुहर लगा देगी कि बंगाल की मिट्टी पर उनकी पकड़ कितनी मज़बूत है। ये रिकॉर्ड इस हक़ीक़त की पुष्टि करेगा कि तमाम तूफ़ानों, केंद्रीय जांच एजेंसियों के छापों और विरोधियों की तगड़ी घेराबंदी के बावजूद, बंगाल की अवाम का अपनी 'दीदी' पर एतबार आज भी क़ायम है।

मैदान-ए-जंग में 'दीदी': रिवायतों को तोड़ती हुई वो आक्रामक मूरत- बुधवार को बंगाल की गलियों और पोलिंग बूथों पर एक ऐसा मंज़र दिखा जिसने दिल्ली से लेकर कोलकाता तक सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी। बीजेपी के साथ चल रही कांटे की टक्कर के बीच, ममता बनर्जी ने अपनी पुरानी तमाम परंपराओं को दरकिनार करते हुए खुद मतदान केंद्रों का मोर्चा संभाला। जब कोई सेनापति खुद अपनी आंखों से जंग के मैदान (पोलिंग बूथ) का मुआयना करने उतर जाए, तो विपक्षी खेमे में खलबली मचना लाज़मी है।

किसान स्वायत्तता, जैव विविधता व पोषण की दिशा में एक राह

अंतरराष्ट्रीय बीज दिवस के अवसर पर मैंने ओपन सोर्स बीज प्रणाली की आवश्यकता महसूस की। आखिर यह ओपन सोर्स बीज प्रणाली है क्या? यह कहाँ काम करती है? इसकी जरूरत क्यों महसूस की जा रही है? क्या यह किसान की स्वायत्तता, जैव विविधता और पोषण सुरक्षा के लिए उपयोगी हो सकती है? और भारत में इसे नीतिगत रूप से लागू करने में क्या दिक्कतें हैं? ओपन सोर्स बीज प्रणाली एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें बीज किसी निजी कंपनी या बौद्धिक संपदा एकाधिकार के अधीन नहीं होता। इसका मूल विचार यह है कि बीज, उसकी जानकारी और उसका उपयोग किसानों, शोधकर्ताओं और समुदायों के लिए खुला रहे।

यह सोच उस पुरानी किसान-परंपरा से जुड़ती है जिसमें बीज बचाना, साझा करना, बदलना और स्थानीय परिस्थिति के अनुसार सुधारना खेती का स्वाभाविक हिस्सा रहा है।

इस प्रणाली को सरल भाषा में ऐसे समझ सकते हैं: जैसे मुक्त सॉफ़्टवेयर (ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर) में कोई भी व्यक्ति कोड का उपयोग, सुधार और साझा कर सकता है, वैसे ही ओपन सोर्स बीज में किसान बीज को बचा सकता है, बो सकता है, बाँट सकता है और बेहतर भी बना सकता है। इसके पीछे 'बीज पर साझा अधिकार' की सोच है, न कि 'बीज पर निजी कब्ज़ा'।

यह कहाँ काम करती है?

ओपन सोर्स बीज आंदोलन की जड़ें अंतरराष्ट्रीय अनुभवों में मिलती हैं। भारत में भी इसे किसान-आधारित बीज संरक्षण, सामुदायिक बीज बैंक, सहभागी प्रजनन और खुले ज्ञान-साझाकरण से जोड़ा जाता है। यह प्रणाली विशेष रूप से वहाँ उपयोगी है जहाँ किसान स्थानीय जलवायु, मिट्टी, सूखा, वर्षा या पोषण जरूरतों के अनुसार बीजों को विकसित करना चाहते हैं। चावल, बाजरा, ज्वार, दालें और सब्जियों की कई पारंपरिक किस्में इस मॉडल के लिए उपयुक्त मानी जा सकती हैं, क्योंकि इनमें स्थानीय अनुकूलन की बड़ी क्षमता होती है।

इसकी आवश्यकता क्यों है?

भारत की खेती आज कई दबावों के बीच है–महँगे इनपुट, घटती मिट्टी-स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन, बीज पर बढ़ती निर्भरता और बाजार

का एकाधिकार। इस स्थिति में ओपन सोर्स बीज प्रणाली किसान को फिर से केंद्र में लाने की कोशिश करती है। यह केवल तकनीकी विकल्प नहीं, बल्कि कृषि-स्वायत्तता का प्रश्न है। जब बीज किसान के पास रहता है, तो वह हर मौसम में बाजार का खरीदार नहीं बनता। वह अपने अनुभव, अपनी मिट्टी और अपनी जलवायु के अनुसार बीज चुन सकता है।

किसान की स्वायत्तता, जैव विविधता और पोषण

स्वायत्तता: किसान केवल उपभोक्ता नहीं रहता, वह सह-नवप्रवर्तक बनता है। उसे हर साल बीज खरीदने की मजबूरी नहीं होती।

जैव विविधता: स्थानीय बीजों में जलवायु संकट (सूखा, बाढ़) झेलने की क्षमता अधिक होती है। ओपन सोर्स मॉडल इन किस्मों को खेतों में जीवित रखता है।

पोषण: पारंपरिक फसलें जैसे रागी, कोदो, कुटकी और देसी दालें पोषण से भरपूर होती हैं। ओपन सोर्स प्रणाली इन 'सुपरफूड्स' के बीजों तक सबकी पहुँच सुनिश्चित करती है।

भारत में नीतिगत दिक्कतें और कानूनी पक्ष

भारत में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि कानून और आगामी नीतियां (जैसे प्रस्तावित बीज विधेयक) बीज को मुख्यतः एक वाणिज्यिक वस्तु के रूप में देखती हैं। जहाँ सरकार नकली बीजों पर रोक और गुणवत्ता नियंत्रण चाहती है, वहीं डर यह है कि कहीं सामुदायिक बीज विनिमय पर भी व्यावसायिक कड़ाई न लागू हो जाए। एक दूसरी विसंगति यह है कि ओपन सोर्स बीज प्रणाली को अभी स्पष्ट कानूनी मान्यता नहीं मिली है। किसान अपने बीज बचा तो सकता है, लेकिन यदि किसी स्थानीय किस्म पर किसी कंपनी या संस्थान का नियंत्रण बढ़ जाए, तो किसान का अधिकार कमजोर पड़ सकता है। इसलिए नीति-निर्माण में किसान की छूट, सामुदायिक संरक्षण और गैर-व्यावसायिक बीज विनिमय को साफ़ कानूनी सुरक्षा देनी होगी।

हालाँकि, भारत के पास एक मजबूत कानूनी आधार पहले से मौजूद है– पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001।

समाधान के लिए हमें निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान देना होगा:

1. पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम की मजबूती: इस कानून की धारा 39 स्पष्ट रूप से किसान को अपने खेत की उपज से बीज बचाने, उपयोग करने, बोने, विनिमय करने या साझा करने का अधिकार देती है, भले ही वह किस्म संरक्षित ही क्यों न हो। ओपन सोर्स बीज प्रणाली को इसी कानून के दायरे में और अधिक प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए।

2. कानूनी स्पष्टता: यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि किसान-से-किसान बीज साझा करना किसी भी स्थिति में अपराध न माना जाए। घरेलू बीज बैंक और सामुदायिक बीज पंचायतों को व्यावसायिक बिक्री से अलग श्रेणी में रखा जाए।

3. सार्वजनिक अनुसंधान: सार्वजनिक संस्थानों और किसान समूहों को मिलकर ऐसी किस्में विकसित करनी चाहिए जो 'पैटेंट' मुक्त हों और जिनका लाभ सभी को मिले।

4. संतुलित पंजीकरण: बीज का पंजीकरण और गुणवत्ता नियंत्रण बाजार के लिए कड़ा हो, लेकिन ग्रामीण स्तर की परंपरागत विनिमय प्रणाली को बाधित न किया जाए।

ओपन सोर्स बीज प्रणाली कोई भावनात्मक नारा नहीं, बल्कि बीज, भोजन और किसान की स्वतंत्रता से जुड़ा एक व्यावहारिक मॉडल है। पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001 द्वारा दिए गए कृषक अधिकारों को आधार बनाकर हम एक ऐसी व्यवस्था खड़ी कर सकते हैं जहाँ बीज पर किसी कंपनी का एकाधिकार न होकर पूरे समुदाय का साझा अधिकार हो।

अगर भारत सचमुच 'किसान प्रथम' की दिशा में आगे बढ़ना चाहता है, तो उसे बीज को केवल एक उत्पाद नहीं, बल्कि 'कृषि-स्वराज' का आधार मानना होगा।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष

कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। परिजनों के साथ शॉपिंग के लिये जा सकते हैं। व्यवसाय को लेकर बड़ी डील करने के लिये दिन शुभ है।

वृषभ

स्वार्थी व्यवहार के कारण लोग आपसे दूरी बना सकते हैं। मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। विवाहेतर सम्बन्धों से आपको बचना चाहिये।

मिथुन

आज का दिन आपके लिये अत्यधिक शुभ है। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। सरकारी नौकरी कर रहे लोगों की आय में वृद्धि होगी।

कर्क

आपको आज काफी मेहनत करनी पड़ेगी। अपने खानपान को संयमित रखें। राजनीतिक विषयों पर आपको अनावश्यक टिप्पणी करने से बचना चाहिये।

सिंह

विदेश में रह रहे लोगों के लिये दिन अच्छा है। मन में आत्मसन्तुष्टि का भाव रहेगा। यात्रा से लाभ होगा। पारिवारिक जीवन अच्छा रहने वाला है।

कन्या

राजनीति और सामाजिक गतिविधियों में आप भाग लेंगे। मैन्यूफैक्चरिंग सम्बन्धी कार्यों में धन लाभ मिलेगा। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है।

तुला

दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। पिता की सलाह लेने से आपको अत्यधिक लाभ मिलेगा। आय के नये स्रोत बन सकते हैं। आप अपने काम को लेकर उत्साहित रहेंगे।

वृश्चिक

छोटी सी बात को लेकर परेशानी होगी। छात्रों का मन पढ़ाई से विचलित हो सकता है। तला-भुना भोजन करने से आपको बचना चाहिये।

धनु

कार्यक्षेत्र की राजनीति में आप भाग ले सकते हैं। व्यवसाय में बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। कानूनी मामलों में विजय मिलेगी। अपने काम के प्रति समर्पित रहेंगे।

मकर

आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। भावनात्मक रूप से आप मजबूत रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। दोस्तों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे।

कुंभ

सूझबूझ से कार्य पूर्ण करने का प्रयास करेंगे। प्रेम सम्बन्धों को विवाह के लिये पारिवारिक सहमति मिल सकती है। धर्म-कर्म के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा।

मीन

कार्यक्षेत्र में काफी मेहनत करनी पड़ेगी। नकारात्मक विचार आपके कार्य की गुणवत्ता को प्रभावित करेंगे। मार्केटिंग सम्बन्धी कार्यों में सफलता मिलने में कठिनाई होगी।

दिवा प्रभाग में 178 करोड़ के सड़क कार्यों में भ्रष्टाचार का संदेह, श्वेतपत्र की मांग तेज – मनसे सचिव प्रशांत गावड़े

चमकता राजस्थान

अरविंद कोठारी/दिवा। मुंब्रा, कलवा और वागळे एस्टेट प्रभाग समिति क्षेत्र में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा चल रहे सड़क विकास कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आए हैं। लगभग 178 करोड़ की लागत वाले इन प्रोजेक्ट्स में कई स्थानों पर बिना वास्तविक काम पूरा किए ही बिल पास किए जाने का दावा किया गया है।

इस संबंध में मनसे विभागाध्यक्ष शरद पाटील ने 12 दिसंबर 2025 को आयुक्त सौरभ राव को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन अब तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। साथ ही सूचना के अधिकार (RTI) के तहत मांगी गई जानकारी का भी संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की बात सामने आई है।

शिकायत के अनुसार, दिवा प्रभाग समिति के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण सड़कों के कार्य कागजों में पूरे दिखाए गए हैं, जबकि हकीकत में वे अधूरे हैं या शुरू ही नहीं हुए हैं। इनमें कल्याण-डोंबिवली मार्ग से जुड़ने वाली सड़कें, बीएसयूपी

प्रोजेक्ट क्षेत्र के डीपी रोड, तथा दिवा रेलवे स्टेशन परिसर में सड़क चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के कार्य शामिल हैं।

इस मामले में सार्वजनिक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता दीपक माने की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि कुछ मामलों में बिना काम हुए ही ठेकेदारों को भुगतान किया गया। साथ ही यह भी आरोप लगाया गया है कि वे आरटीआई अपील के दौरान आवेदकों को बुलाकर स्वयं कई बार अनुपस्थित रहते हैं, जिससे मांगी गई जानकारी देने से बचा जा सके।

मुंब्रा देवी कॉलोनी से दातेवली सड़क तक बनाई गई नालियों (गटर) के कार्यों में भी करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप है। शिकायत के मुताबिक, नालियां अधूरी बनाई गईं, लेकिन उनके पूरे बिल पास कर दिए गए।

शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि संबंधित सभी 17 सड़क परियोजनाओं की गहन जांच कराई जाए और अब तक जारी किए गए फंड का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। साथ ही पूरे मामले पर श्वेतपत्र जारी कर करदाताओं के पैसे के उपयोग में पारदर्शिता लाई जाए।

इस मुद्दे को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मनसे सचिव प्रशांत गावड़े ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन तेज किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम रथ अभियान से गांव-गांव तक पहुंच रही योजनाओं की जानकारी, 13 विभागों की योजनाओं का व्यापक प्रचार

चमकता राजस्थान/धौलपुर रामदास तरुण। ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 ग्राम-2026 को लेकर राज्य सरकार द्वारा ''ग्राम रथ अभियान'' का शुभारम्भ किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में किसानों एवं पशुपालकों तक जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रभावी रूप से पहुंचाना है। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का प्रचार- प्रसार गांव-गांव और ढाणी-ढाणी तक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संचालित यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, जो 'सशक्त किसान, समृद्ध भारत' के विजन को साकार करने में सहायक बनेगी।अभियान के तहत धौलपुर जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों–धौलपुर, बाड़ी, बसेड़ी एवं राजाखेड़ा की ग्राम पंचायतों में ग्राम रथ संचालित किए जा रहे हैं। प्रत्येक रथ प्रतिदिन 4 से 5 स्थानों पर पहुंचकर ऑडियो- वीडियो माध्यम से योजनाओं की जानकारी दे रहा है। इस अभियान में कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, सिंचाई, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास सहित 13 विभागों की योजनाओं का समावेश किया गया है। संबंधित विभागों द्वारा प्रचार सामग्री भी उपलब्ध करवाई गई है। ग्राम रथों में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से मुख्यमंत्री का संदेश प्रसारित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में जागरूकता और प्रेरणा का संचार हो रहा है। साथ ही, सुझाव पेटिका के माध्यम से ग्रामीणों के सुझाव एकत्रित कर सरकार तक पहुंचाए जा रहे हैं, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार संभव हो सके। अभियान के दौरान स्थानीय कलाकारों के कला जत्थों द्वारा संध्या चौपाल में लोक शैली के माध्यम से योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों की भागीदारी और आकर्षण बढ़ रहा है।

सद्भावना के सिपाही बने सेवार्थ समर्पित: जननायक गहलोत के जन्मदिन पर स्वास्थ्य शिविर का आगाज

चमकता राजस्थान/जयपुर। राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रहे जननायक अशोक गहलोत के 3 मई को होने वाले जन्मदिन के उपलक्ष्य में साईनाथ चेरिटेबल ट्रस्ट एवं सद्भावना के सिपाही संगठन द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 2 मई को प्रातः 11 बजे से जयपुर के आतिश मार्केट में आयोजित होगा।

इस सेवा कार्य का औपचारिक शुभारंभ आज पूर्व राज्यमंत्री एवं दोनों संस्थाओं के संरक्षक राजीव अरोड़ा ने पोस्टर विमोचन के साथ किया। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जननायक गहलोत ने हमेशा रसेवा ही धर्मर के सिद्धांत पर काम किया है। उनका जन्मदिन मनाने का सबसे सार्थक तरीका जनसेवा ही है।

शिविर में अनुभवी होम्योपैथिक एवं एलोपैथिक डॉक्टरों की टीम द्वारा स्वास्थ जांच एवं परामर्श निःशुल्क उपलब्ध रहेंगी। पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की है। राजीव अरोड़ा ने बताया कि गहलोत साहब की प्रेरणा से ही दोनों संगठन लगातार स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवीय सेवा के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। यह शिविर भी उसी कड़ी का हिस्सा है। कार्यक्रम में साईनाथ ट्रस्ट के पदाधिकारी डॉ नितिन शारदा भगेरिया, सद्भावना के सिपाही संगठन के पदाधिकारी कैलाश शर्मा गुरुजी,विक्रम सिंह पंवार,लादूराम दुलारिया पार्षद, दीपक धीर भावना धीर, एडवोकेट गणेश जोशी, जाकिर बुलंद, वाहिद खान, अरशद एवं अन्य स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

माली समाज सोजत ने आयोजित किया मायरा कार्यक्रम

चमकता राजस्थान

हितेष भाटी। सोजत, माली समाज का सामूहिक विवाह आयोजन अपनी बुलन्दगी की तैयारियो से संम्पन्न करने की तैयारी हे तो दूसरी और इस आयोजन में माली सैनी समाज के विभिन्न क्षेत्र में काम करने वाले व्यापारी, अधिकारी, कर्मचारी, मातृ शक्ति, युवा, जनप्रतिनिधिगण का भी खिचाव इस आयोजन की और उत्सुकता पूर्ण नजर आया क्योकि विवाह को मितव्ययता व सादगी से सम्पन्न करने के लिए जिस तरीक़ा को अपनाया गया उसकी हर जगह सराहना की जा रही हे साथ ही सामाजिक स्तर पर ही विवाह की रश्मे अदायगी हो जाने के कारण महँगाई के युग में निर्धन परिवारों को भी संबल मिला हे । सोजत माली समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन के विचित्र अंदाज़ में संपन्न हो रहा हे पदाधिकारी व जिम्मेदारान समितिया बनाकर सेवा का लाभ ले रहे हे आज ''मायरे'' के कार्यक्रम में समाज ने परिवार के मुख्या की भूमिका निभाई और भोजन करवाया। परिसर के भामाशाह ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया । इस मौके जहाँ सभी प्रबुद्ध लोग भी एकत्रित हुए जिन्होंने माली समाज के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं शेक्षणिक विकास पर भी विस्तृत से चर्चा की इतना ही नहीं आज के आयोजन में सोजत में माली समाज के चार मोहल्ले-मालियो का बड़ावास, धोली वाड़ी का वास, नयापुरा मोहल्ला,पावटी का वास, में समाज की उत्पत्ति के बारे में माली समाज सोजत के महामंत्री आनंद भाटी ने श्री राजेन्द्र कुमार राव (पाण्डुलिपीकार) , बही वाचक का बहुमान कर उनसे जानकारी प्राप्त की।

● सोजत में माली समाज की उत्पत्ति पर सार्थक चर्चा-

अरावली श्रृंखला की छितरी हुई छोटी छोटी पहाड़ियो के बीच समतल मैदान में बसे प्राचीन ऐतिहासिक शहर सोजत भौगोलिक स्थिति के अनुसार 25 डिग्री 56 उतरी अक्षांश व 73 डिग्री 40 पूर्वी देशांतर पर लूनी नदी के दक्षिण में राष्ट्रीय राजमार्ग 162 के बीच सुकड़ी व लीलड़ी नदी के बीच बसा हुवा हे। महाराज जसवंत सिह प्रथम के कार्यकाल में सोजत का नाम शुद्धदंती हे बाद में इसका नाम तृम्बावती नगर पड़ा जहाँ त्रम्बसेन नाम का राजा हुवा जो पंवार था उसके सेजल नाम की बेटी थी देवताओ की कलाओ को प्राप्त कर शक्ति का अवतार हुई जिसने अपने प्रधान बांधर हुल को श्राप दिया व माफी मांगने पर आशीर्वाद देकर अन्तर्ध्यान हो गई विक्रम संवत 1111 को को सोजत का नाम पड़ा । माली समाज सोजत में सबसे पहले धारसिंह व पूनमसिह ने तीर्थ राज पुष्कर में संवत 1256 माह सुदी सातम को तलवारे रखकर फूलो की छाब लेकर माली समाज की मर्यादाओं को ग्रहण कर माली धारसिंह व पुनमसिंह पालडिया को सोजत में बसाया व संवत 1257 माह सुदी 13 को राव निंबाजी ने इनको पिचका सुपुर्द किया व माली का काम दिया जो आज के समय में मालियो के बड़ावास के नाम से जाना जाता हे। शहर के दक्षिण में धुव ली बाड़ी के पास कुंवर बागावत और सादुलावत ने एक तालाब खुदवाया जो धोली वाड़ी बेरा के नाम से जाना जाता हे जो भी पालडिया माली की मर्यादा की पालना में खेती बाडी करते थे जिनसे बाहर से जो भी फसल चोरी करने आते वे भी डरते थे जिससे धोली वाड़ी का वास का नाम पड़ा। कहते हे केरियाजी की बगेची भी किसी समय में मालियो की ही थी । उसी प्रकार संवत 1656 में महाराजा सुरसिह के राज में हेमा, नरसिह को सोजत में बसाया और नयापुरा बसा। महाराजा उदयसिह जोधा राठौड़ के राज में संवत 1615 में सिहो जी , कंजी सांखला ने अपने बेटो को मंडोर से सोजत बसाया व हरचंद द्वारा बावड़ी खुदवाई देवड़ा भी यहाँ आकर बसे जो पावटी का वास कहलाता हे । सोजत में माली जाति के परिवार व रिश्ते बढ़ते गए पालरिया, टाक, सांखला, तंवर, पंवार,भाटी, कच्छावा, महावर, सोलंकी, गहलोत, परिहार, दगदी, चौहान, देवड़ा की गौत वाले रहते हे । समाज की प्रारंभिक बसावट ''मालियों का बड़ा वास–I'' धोलीवाड़ी के वास के रूप में हुई, जो आज भी माली समाज का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

थैलेसीमिया मरीजों के लिए जीवनदायिनी पहल, रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

चमकता राजस्थान/रफीक मंसूरी/ खरगोन। मानवता की सेवा और जरूरतमंदों के जीवन को बचाने के उद्देश्य से AviMoh Foundation द्वारा दिनांक 29 अप्रैल 2026 को Guptals Urban Kitchen, बिस्तान नाका, खरगोन (रुद्रेश्वर मंदिर के पास) में एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।यह शिविर विशेष रूप से थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों के लिए आयोजित किया गया,जिन्हें नियमित रूप से रक्त की आवश्यकता होती है।इस पहल के माध्यम से एकत्रित रक्त इन जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित होगा।शिविर का समय प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक रखा गया, जिसमें क्षेत्र के युवाओं,समाजसेवियों एवं जागरूक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानवता की मिसाल पेश की। इस दौरान कुल लगभग 20-25 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।इस अवसर पर उषा गुप्ता, ममता सुगंधी,भानुप्रिया रामकृष्ण कानूंगो, किशोर रघुवंशी एवं रितेश गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए इस नेक पहल की सराहना की।इस शिविर के आयोजक संदीप संतोषीलाल गुप्ता रहे, जिनके नेतृत्व में यह सफल आयोजन संपन्न हुआ।संस्था के सदस्यों ने बताया कि रक्तदान न केवल एक महान दान है, बल्कि यह किसी के जीवन को बचाने का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम भी है। शिविर में भाग लेने वाले सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। AviMoh Foundation निरंतर समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय है और समय-समय पर ऐसे आयोजन कर समाज में सहयोग, संवेदना और मानवता की भावना को सशक्त बनाने का प्रयास करता है।संस्था ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे आगे भी ऐसे पुनीत कार्यों में भाग लेकर जरूरतमंदों के जीवन में आशा की नई किरण बनें।

नगर पालिका क्षेत्र में लापरवाही का एक और मामला सामने आया है

चमकता राजस्थान

मनोज खत्री/जिला ब्यूरो चीफ डीग। कामा नगर पालिका से महज सौ मीटर की दूरी पर स्थित नालों से हटाए गए ढक्कन (फेरो कवर) पिछले कई महीनों से वापस नहीं लगाए गए हैं, जिससे क्षेत्र में लगातार खतरा बना हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि नालों की सफाई के दौरान हटाए गए कवर आज तक अपनी जगह पर नहीं लगाए गए। महीनों बीत जाने के बावजूद जिम्मेदार विभाग द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। खुले नालों के कारण राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटना की आशंका हर समय बनी रहती है।

विशेष रूप से रात के समय स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है, जब अंधेरे में खुले नाले दिखाई नहीं देते। क्षेत्रवासियों ने कई बार नगर पालिका प्रशासन को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है।लोगों में इस लापरवाही को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द नालों पर फेरो कवर लगाने और क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

मिलावटी पेट्रोलियम के अवैध कारोबार पर बड़ी कार्यवाही, 4 हजार लीटर से अधिक डीजल-पेट्रोल जब्त

चमकता राजस्थान/कमल साहू/ब्यावर। खाद्य विभाग के आदेशों एवं जिला कलक्टर के निर्देशों की अनुपालना में जिले में मिलावटी पेट्रोलियम पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की गई। प्राप्त सूचना के आधार पर जिला रसद अधिकारी ने प्रवर्तन दल एवं पुलिस थाना बार के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में मिलावटी डीजल एवं पेट्रोल जब्त किया।

यह कार्यवाही उप तहसील बार स्थित शेखावास चौराहा पर देव भोजनालय परिसर में की गई, जहां अवैध रूप से पेट्रोलियम पदार्थों का भंडारण एवं विक्रय किया जा रहा था। जांच के दौरान मौके से कुल 3 हजार 860 लीटर मिलावटी डीजल एवं 180 लीटर मिलावटी पेट्रोल, जो 21 ड्रमों में संग्रहित था, जब्त किया गया।

इसके साथ ही मौके से एक 1 H.P. LUBI मोटर, विभिन्न प्रकार के 5 माप उपकरण तथा एक टाटा 407 वाहन (रजिस्ट्रेशन नं. RJ-06 GD 9494) भी बरामद किया गया।

कार्यवाही के दौरान आरोपी कन्हैया लाल खाती (निवासी ग्राम राछोड़ा, तहसील आसीन्द, जिला भीलवाड़ा) को चिन्हित किया गया, जो बिना किसी वैध अनुमति एवं दस्तावेजों के पेट्रोलियम पदार्थों का अवैध भंडारण एवं विक्रय कर रहा था। जांच में पाया गया कि आरोपी द्वारा सुरक्षा मानकों की गंभीर अनदेखी करते हुए आमजन के जीवन को खतरे में डाला जा रहा था।आरोपी का यह कृत्य टर/ल्ररऊआदेश 2005 एवं पेट्रोलियम पदार्थों से संबंधित नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। जब्त की गई समस्त सामग्री को पुलिस थाना बार की सुपुर्दगी में दे दिया गया है तथा प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्यवाही जारी है।इस संयुक्त कार्यवाही में जिला रसद अधिकारी अब्दुल सादिक, प्रवर्तन अधिकारी सोहन सिंह चौहान, प्रवर्तन निरीक्षक विकामा मथुरिया तथा थाना अधिकारी समजीदा बानों मय पुलिस जाब्ता उपस्थित रहे। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि मिलावटखोरी एवं अवैध कारोबार के विरुद्ध इस प्रकार की सख्त कार्यवाहियां निरंतर जारी रहेंगी तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साही ने एक्टिव ट्रेडर्स के लिए हाई-परफॉर्मेंस ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म को नया रूप देने के लिए 33 मिलियन डॉलर की सीरीज बी फंडिंग जुटाई

चमकता राजस्थान

इस पूंजी के साथ, साही अपनी टेक्नोलॉजी और एआई स्टैक में गहरा निवेश करेगा, नए ट्रेडिंग कैटेगरी के लिए अपने प्रोडक्ट सूट का विस्तार करेगा और अपने यूजर बेस को बढ़ाएगा।

बेंगलुरु। परफॉर्मेंस-ड्रिवन ट्रेडर्स के लिए बनाए गए ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म साही (रॅं) ने आज 33 मिलियन डॉलर की सीरीज बी फंडिंग राउंड की घोषणा की, जिसका नेतृत्व प्रमुख वेंचर कैपिटल फंड एक्सेल ने किया। इस राउंड में एलिवेशन कैपिटल ने भी भागीदारी की। एक्सेल के समर्पित ग्रोथ फंड से यह नवीनतम निवेश, सीरीज ए के एक वर्ष से भी कम समय बाद आया है, जो प्लेटफॉर्म पर तेज़ प्रोडक्ट इनोवेशन, मजबूत ग्राहक अपनाने और तेजी से बढ़ती ट्रेडिंग गतिविधियों को दर्शाता है।

अगस्त 2023 में डेल वाज और मनीष जैन की और से स्थापित, साही एक एनएसई और बीएसई रजिस्टर्ड ब्रोकर है, जो एक सरल सोच पर आधारित है–गंभीर रिटेल ट्रेडर्स और निवेशक बेहतर के हकदार हैं। वे बाजार में वास्तविक महत्वाकांक्षा लेकर आते हैं और संस्थागत निवेशकों को मिलने वाले समान टूल्स, स्पीड और इंटेलिजेंस की अपेक्षा रखते हैं, वह भी बिना लाखों रुपये की टर्मिनल फीस के।

प्लेटफॉर्म का चार्ट-आधारित इंटरफेस ट्रेडर्स को अलग-अलग टूल्स के बीच स्विच किए बिना विश्लेषण, निर्णय और निष्पादन की सुविधा देता है–यह कार्यप्रणाली अनुभवी बाजार प्रतिभागियों के बीच गहरी भागीदारी का कारण बनी है।

लॉन्च के बाद से, साही ने अपना पूरा ट्रेडिंग स्टैक शुरू से तैयार किया है–प्रोप्राइटरी चार्टिंग, ऑर्डर एग्जीक्यूशन और रिस्क मैनेजमेंट के लिए ऑटोमेशन फीचर्स, जो एक्टिव डेरिवेटिव्स ट्रेडर्स के बीच बेहद लोकप्रिय रहे हैं। इसका परिणाम बेहद तेज़ रहा है–अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के बीच ट्रेड वॉल्यूम में 24 गुना वृद्धि और एक्टिव ट्रेडर्स में 19 गुना वृद्धि दर्ज की गई।

यह गति प्लेटफॉर्म के मजबूत स्केल से समर्थित है, जहां 13 करोड़ से अधिक ट्रेड्स निष्पादित किए गए, जिनमें से 86% से अधिक केवल वित्त वर्ष 26 में हुए। प्लेटफॉर्म ने लगभग 4 लाख डीमैट अकाउंट्स भी ऑनबोर्ड किए हैं, जिसने इस फंडिंग राउंड के लिए मजबूत आधार तैयार किया।

सह-संस्थापक और सीईओ डेल वाज ने कहाः ''भारत में 4.5 करोड़ से अधिक एक्टिव निवेशक अकाउंट्स हैं, लेकिन अधिकांश एक्टिव ट्रेडर्स और निवेशक अब भी सूचित निर्णय लेने की जटिलता और मेहनत से जूझते हैं। हमने साही इसलिए बनाया क्योंकि हमारा मानना है कि रिटेल निवेशक और ट्रेडर्स बेहतर के हकदार हैं–साफ और सरल यूआई, तेज निष्पादन, प्रोफेशनल-ग्रेड इनसाइट्स, और ऐसा प्लेटफॉर्म जो उन्हें आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ ट्रेड करने में मदद करे। यह फंडिंग हमें इस विश्वास को और गहराई से आगे बढ़ाने में सक्षम बनाएगी।''

सह-संस्थापक और सीपीओ मनीष जैन ने कहा, ''हर ट्रेडर अलग तरीके से काम करता है–वे बाजार का विश्लेषण कैसे करते हैं, कब निर्णय लेते हैं, और क्या चीज़ उन्हें धीमा करती है। साही में हमने इन्हीं वास्तविक कार्यशैलियों के लिए निर्माण किया है, और प्रोडक्ट को धारणाओं के बजाय वास्तविक समस्याओं के आधार पर आकार दिया है। यही साही की पहचान है–ट्रेडर्स के वास्तविक काम करने के तरीके के लिए विशेष रूप से बनाया गया।''

एक्सेल की प्रिंसिपल मांसी शाह ने कहा, ''भारत में एक्टिव रिटेल ट्रेडिंग का उभार संरचनात्मक है, अस्थायी नहीं, और इस समुदाय की सेवा करने वाले प्लेटफॉर्म्स को उसी महत्वाकांक्षा को प्रतिबिंबित करना चाहिए। एक एआई-नेटिव ब्रोकरेज साही, ग्राहकों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्ट बनाने और उन्हें जीतने की बढ़त देने के लिए लगातार मानक ऊंचे कर रहा है। पिछले एक वर्ष में, डेल, मनीष और उनकी टीम ने प्रोडक्ट इनोवेशन की प्रभावशाली गति दिखाई है। एक्सेल में, हम उनके साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत करने के लिए उत्साहित हैं, क्योंकि वे देशभर के ट्रेडर्स के लिए इनसाइट से एग्जीक्यूशन तक के समय को कम कर रहे हैं।''

एलिवेशन कैपिटल के पार्टनर वास भास्कर ने कहा, ''पिछले एक वर्ष में, हमने साही को एक मजबूत विचार से एक ऐसे प्लेटफॉर्म में विकसित होते देखा है, जिसने एक्टिव ट्रेडर्स के बीच वास्तविक ट्रैक्शन और यूजर प्रेम हासिल किया है। डेल, मनीष और पूरी टीम की ग्राहक-केंद्रित सोच और गहरी समझ असाधारण है, जो प्लेटफॉर्म की शुरुआती सफलता में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। हमें विश्वास है कि साही भारत के लिए अगली पीढ़ी का ट्रेडिंग और निवेश प्लेटफॉर्म बनाने की मजबूत स्थिति में है।''

संक्षिप्त समाचार

''संगठन बचाओझ्लोकतंत्र बचाओ'' अभियान को लेकर चर्चा की

चमकता राजस्थान/देसूरी। ''संगठन बचाओझ्लोकतंत्र बचाओ'' अभियान के तहत मारवाड़ जंक्शन ब्लॉक प्रभारी भैरूसिंह राजपुरोहित एवं प्रमोद पाल सिंह मारवाड़ जंक्शन पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस नेता एडवोकेट इंद्रसिंह ईसाली, ब्लॉक अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण तंवर एवं मंडल अध्यक्ष जगदीशकुमार से मुलाकात कर संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर चर्चा की गई।

बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने, जन-जागरूकता अभियान को तेज करने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने पर विचार-विमर्श किया गया। नेताओं ने वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में संगठन की भूमिका को अहम बताते हुए कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने का आ''ान किया।

चर्चा के दौरान यह निर्णय लिया गया कि क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को सशक्त करते हुए आमजन की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा तथा जनहित से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी तरीके से संघर्ष किया जाएगा।

अजाक एवं वेलफेयर सोसाइटी ने खेमाराम मारपीट प्रकरण के विरोध में ज्ञापन दिया

चमकता राजस्थान/चंद्रप्रकाश मेघवाल जोधपुर। डा आम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी एवं डॉ आम्बेडकर अनुसूचित जाति अधिकारी कर्मचारी एसोसिएशन (अजाक) राजस्थान द्वारा खेमाराम मेघवाल मारपीट प्रकरण के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया है। जिला कलेक्टर को दिये ज्ञापन में दोनों संगठनों की जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने मारपीट प्रकरण की कड़े शब्दों में निन्दा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया हैं। घटना की जानकारी देते हुए सोसायटी के जिला महासचिव खेमराज नवल ने बताया जोधपुर जिले के चामू थानान्तर्गत भालू कुभाणिया गाँव के खेमाराम की खातेदारी जमीन जाति विशेष के कुछ लोग कब्जा कर हथियाना चाहते हैं। इसी नियत से इन लोगों ने 15 अप्रैल 2026 की रात्रि में अपने रहवासीय खेत में सो रहे खेमाराम पर हथियारबंद जानलेवा हमला कर बुरी तरह घायल दिया। बीच बचाव करते हुए परिवारजनों को भी चोटें आई है। डा आम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी जोधपुर के जिलाध्यक्ष लुभास राठौड़ के नेतृत्व में दिये गये ज्ञापन के दौरान अजाक राजस्थान के उपाध्यक्ष बसन्त रोयल भी मौजूद रहे। साथ ही सोसायटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश बामणिया, कोषाध्यक्ष सतीश कुमार कुलदीप, संयुक्त सचिव भूपेन्द्र लावा, प्रियंका चांवरिया,अजाक जोधपुर के महासचिव अमरचंद रावल, समता सैनिक दल की राष्ट्रीय महासचिव श्रीमती कमला बुगालिया, एडवोकेट किशन मेघवाल सहित कई पदाधिकारियों ने ज्ञापन प्रस्तुत कर हमलावरों को तुरन्त गिरफ्तार करने एवं परिवारजनों को उचित सुरक्षा देने की मांग की है। साथ ही घटना के दौरान खेत की चारदीवारी एवं पत्थर की पट्टियों के तोड़फोड़ से हुए नुकसान का समुचित मुआवजा दिए जाने की मांग भी की है। इस दौरान ग्रामीण एवं शहर के विभिन्न क्षेत्रों आए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने घटना पर रोष व्यक्त करते हुए दोषियों पर अतिशीघ्र कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की मांग की। समय पर कार्यवाही नहीं होने पर तीव्र जन आन्दोलन करने की चेतावनी दी है।

दलित समाज के खेत पर कब्जा करने के मानस से आये,असमाजिक तत्वो द्वारा हमला

दैनिक चमकता राजस्थान/राजू मेघवाल सागासनी/चीफ ब्यूरो जोधपुर। दलित समाज के संगठनों बैनर तले,डा अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान, जोधपुर शाखा, समता सैनिक दल के ज़िला कलेक्टर आलोक कुमार और ग्रामीण एसपी को ज्ञापन सौंपा। दिनांक 15अप्रैल 26 को पीड़ित श्री खेमाराम मेघवाल निवासी भालू कुभाणिया तहसील चामू जिला जोधपुर के रहवासी खेत में आधी रात को असामाजिक तत्वों के व्दारा हथियारों से लेस होकर सुनियोजित हमला किया गया।खेत की चारदीवारी की तारबंदी व पत्थर की पट्टियों की तोड़फोड़ कर तहस नहस कर दिया। खेमाराम जी मेघवाल के परिवारजनों व्दारा इसका विरोध करने पर उनके साथ बेरहमी के साथ मारपीट व अभद्र व्यवहार तथा भाषाओं का प्रयोग किया। पीड़ित परिवार के व्दारा चिल्लाने, रोने,मारो मारो की आवाज सुनकर आसपास के लोगों के इकट्ठा होने पर हमलावर भाग गए। इस घटना को लेकर पुलिस थाना चामू में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया। भूपेंद्र लवा संयुक्त सचिव, अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी राजस्थान जोधपुर ने बताया कि इस घटनाक्रम को लेकर अम्बेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी,समता सैनिक दल जोधपुर के व्दारा जिला कलेक्टर आलोक कुमार और ग्रामीण पुलिस एसपी को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें बताया कि समय रहते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी करें और पीड़ित परिवार को पुलिस सुरक्षा देकर न्याय दिलाने में मदद करें। उन्होंने बताया कि जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो दलित समाज के बैनर तले जन आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपते समय सोसायटी के जोधपुर शाखा अध्यक्ष लुभाष जी राठौड़, सुश्री पूनम,समता सैनिक दल महिला विंग नेता कमला बुगालिया, ओमप्रकाश, एडवोकेट किशन मेघवाल, एडवोकेट के के सिंह, बसंत रायल,आशा मीणा, किशनाराम लवा, पेमाराम डेरिया, दीपाराम गडा, समाज लोग शामिल हुए।

अपराध नियंत्रण, तकनीकी नवाचार और जवाबदेही पर सख्त निर्देश

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने की मैराथन महत्वपूर्ण रेंज समीक्षा बैठक

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 29 अप्रैल। पुलिस मुख्यालय में महानिदेशक पुलिस (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित रेंज स्तरीय समीक्षा बैठक में प्रदेश की कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए ठोस रणनीति तय की गई। छह घंटे से अधिक चली इस बैठक में अपराध नियंत्रण, आधुनिक पुलिसिंग, तकनीकी नवाचार और जनसुनवाई की गुणवत्ता पर विस्तृत चर्चा हुई।

अपराधियों पर वित्तीय प्रहार की रणनीति डीजीपी ने एनडीपीएस, गैंगस्टर्स और हार्डकोर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन अनिवार्य करने के निर्देश दिए। अवैध संपत्तियों की पहचान कर अटैचमेंट सुनिश्चित करने और 5 वर्ष से अधिक पुराने लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया गया।

● हार्डकोर व आदतन अपराधियों पर सख्ती

हिस्ट्रीशीटर और बार-बार अपराध करने वालों पर नाराजगी जताते हुए डीजीपी ने अधिकारियों को कठोरतम कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि उनकी गतिविधियों पर प्रभावी रोक लग सके। साथ ही थानों के मालखानों में लंबित सामग्री के अभियान चलाकर निस्तारण के निर्देश भी दिए गए।

● तकनीकी नवाचार और राजकॉप एप पर फोकस

आमजन को तकनीक से जोड़ने के लिए राजकॉप सिटीजन एप के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया गया। जिलों को अलग-अलग एप विकसित करने के बजाय अपने नवाचार मुख्य एप में शामिल कराने के निर्देश दिए गए। थानों में सीसीटीवी की कार्यशीलता, रिकॉर्डिंग और डिटेक्शन-रिकवरी दर सुधारने पर भी बल दिया गया।

● यातायात और आधारभूत सुधार

सड़क सुरक्षा के लिए लेन ड्राइविंग व्यवस्था के विस्तार और टोल प्लाजा पर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। थानों के स्वागत कक्षों को डिजिटल सुविधाओं से सुसज्जित कर पारदर्शिता बढ़ाने पर जोर रहा।

● झूठे मुकदमों पर भी कार्रवाई

महिला अत्याचार व एससी/एसटी एक्ट मामलों में अनुसंधान की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश देते हुए डीजीपी ने झूठे मुकदमे दर्ज कराने वालों पर धारा 182/211 के तहत कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

● नवाचार: 'थाना गोद लेने' की पहल

जोधपुर पुलिस की ''थाना गोद लेने'' पहल की सराहना करते हुए डीजीपी ने इसे अन्य क्षेत्रों में भी लागू करने और स्थानीय जरूरतों के अनुसार नवाचार अपनाने के निर्देश दिए।

● अन्य प्रमुख निर्देश

बीट प्रणाली को मजबूत करने, 181 व 1930 हेल्पलाइन पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, साइबर अपराधों में त्वरित कार्रवाई, सीसीटीवी व अभय कमांड सेंटर की प्रभावी मॉनिटरिंग, महिला बीट अधिकारी योजना के क्रियान्वयन और हर घटना की त्वरित रिपोर्टिंग पर विशेष जोर दिया गया।

● ये वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण रहें मौजूद

बैठक में डीजी लॉ एंड ऑर्डर संजय अग्रवाल, डीजी ट्रैफिक अनिल पालीवाल, डीजी स्पेशल ऑपरेशंस आनंद श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। यह बैठक पुलिसिंग को अधिक सख्त, जवाबदेह और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने भुगतान नहीं होने पर जताई नाराजगी

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर/अजमेर। गत 1.5 वर्ष के मिड डे मील योजना के अजमेर डेयरी के राज्य सरकार एवं भारत सरकार पर लगभग 64 करोड़ रुपये बकाया चल रहे हैं जिसमें मिड डे मील के 58 करोड़ रुपये एवं राज्य सरकार के आदेश देने पर संघ द्वारा लगभग 6 करोड़ रुपये का माल पाश्चात्य बाल गोपाल योजना के तहत अजमेर डेयरी में तैयार करके रखा हुआ है, जिसकी सरकार ना तो उठा रही है ना ही भुगतान कर रही है। राज्य सरकार द्वारा उपरोक्त भुगतान नहीं देने से अजमेर संघ को 6-7% कार्यशील पूंजी ऋ्रण लेकर किसानों को भुगतान किया जा रहा है। इससे प्रतिवर्ष लगभग 5-6 करोड़ रु. के ब्याज के रूप में अजमेर डेयरी वहन कर रही है। इसके अतिरिक्त जिले

के पशुपालकों के 30 अप्रैल 2026 को मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के चार माह के लगभग 30 करोड़ रुपये का भुगतान शेष है। पशुपालकों को आगामी माह में मानसून आने की संभावना है इसी को मद्देनजर रखते हुए राज्य सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त 30 करोड़ रुपये का भुगतान शीघ्रता शीघ्र करवाएं जिससे पशुपालक समय पर खेतों की जुताई और खाद बीज अग्रिम रूप से खरीद कर बुवाई कर सकें।

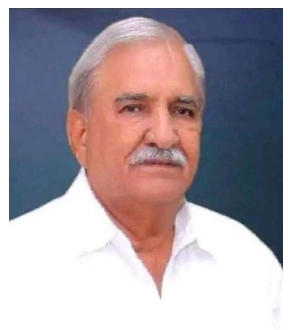

RCDF से यह भी अनुरोध है कि ररऋृज्वार जो आन्ध्रप्रदेश से खरीद कर अभी तक मात्र 800 टन ही उपलब्ध करवायी है उससे जिले में लगभग 8 हजार बीघा में हरी घास की बुवाई हो चुकी है। जो पहले Round में 500 क्विंटल बीज आया था उसकी पहली कटाई भी हो चुकी है। गत 15 दिन से बारम्बार अनुरोध करने पर भी 300 मेट्रिक टन ज्वार का बीज नहीं मिल पा रहा है। इससे तालाबों में खाली हुई जमीन या भराव के खेतों में पानी सूखने से किसान इस बीज का इंतजार कर रहे हैं। लगभग 3 हजार बीघा में और हरे चारे की बुवाई जिले में हो सके।

राज्य सरकार द्वारा प्रोसेसिंग प्लांट के विस्तार आदि मद से अजमेर डेयरी को कुछ भी नहीं दिया है। हम उम्मीद करते हैं कि भविष्य में हमारे साथ भेदभाव नहीं होगा और अन्य जिला संघों की भांति हमारे लम्बित कार्य चीज प्लांट, सोलर प्लांट और चॉकलेट मशीन (मक्खन की टिक्की बनाने वाली) का काम शुरू हो सके।

अंत में मेरा यह अनुरोध है कि फ्ळऊऋपशु आहार की दरें कम करें जो कि भारत वर्ष में सबसे अधिक राजस्थान में है और उसमें कटौती करते हुए पशुपालकों को राहत पहुँचाएँ।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि RCDF एवं राज्य सरकार नई भर्तियों के 2500 पदों पर शीघ्र कार्यवाही करेगी जिससे प्रदेश के जिला संघों को टेक्नीकल ऑफिसर मिल सकें। इससे प्लांटों की गुणवत्ता में भी निखार आएगा एवं विपणन व्यवस्था में भी सुधार होगा जिससे जिला संघ लाभ की ओर अग्रसर होंगे।

''शिवरायों का अपमान बर्दाश्त नहीं!''

बागेश्वर विवाद पर ठाणे कांग्रेस सड़कों पर; सरकार की भूमिका पर सीधे सवाल

चमकता राजस्थान/अरविंद कोठारी/ठाणे। छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में कथित आपत्तिजनक बयान देने वाले धीरेन्द्र शास्त्री उर्फ बागेश्वर बाबा के खिलाफ ठाणे कांग्रेस ने तीव्र नाराजगी जताते हुए जोरदार आंदोलन किया। ''शिवरायों का अपमान करने वालों को महाराष्ट्र में कोई जगह नहीं,'' इस चेतावनी के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आक्रामक रुख अपनाया। इस मामले में मंच पर मौजूद रहने के बावजूद विरोध न करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी पर भी निशाना साधा। उनकी भूमिका पर सवाल उठाते हुए पूरे मामले की गहन जांच की मांग की गई। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सकपाल के निर्देश पर ठाणे कांग्रेस जिलाध्यक्ष विक्रांत चव्हाण के नेतृत्व में कांग्रेस जिला मध्यवर्ती कार्यालय, ठाणे में उग्र प्रदर्शन किया गया। इस दौरान विक्रांत चव्हाण ने कहा, ''छत्रपति शिवाजी महाराज हमारी अस्मिता के प्रतीक हैं। उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वालों को हम किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके पीछे किसका समर्थन है, इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए।''

कांग्रेस ने बागेश्वर बाबा के खिलाफ तुरंत मामला दर्ज करने और उनके महाराष्ट्र में प्रवेश पर स्थायी प्रतिबंध लगाने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि अगर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर आंदोलन तेज करेगी।

प्रदर्शन के दौरान 'भोंदू बाबा बागेश्वर हाय हाय', 'भाजपा सरकार होश में आओ', 'शिवरायों का अपमान नहीं चलेगा' जैसे नारों से पूरा इलाका गूंज उठा।

विकास अधिकारी महोदया कहां है हजारों पौधे और पौधाशालाएं कहीं भ्रष्टाचार की भेंट तो नहीं चढ़ गए ?

चमकता राजस्थान

चौमहला। जहां एक और केंद्र और राज्य सरकार प्रदेश भर में हरियाली लाने के लिए कई प्रकार के अभियान और योजनाएं चला रही है। सरकार हर संभव प्रयास कर रही है की तेजी से वृक्षों की संख्या बढ़ाई जाए ताकि गर्मी में तापमान में कमी आ सके अच्छी वर्षा हो सके मिट्टी का कटाव रोक जा सके और सरकार का ग्रीन इंडिया का सपना साकार हो सके।

लेकिन इसके विपरीत डग पंचायत समिति क्षेत्र में कुछ और ही माहौल देखने को मिल रहा है जहां विगत वर्ष 2025-26 में पंचायत समिति की 32 पंचायतो में चारागाह विकास कार्य और पौधाशाला के नाम पर हजारों पौधे लगाए गए जिनके लिए लाखों रुपए के बिल पास हुए महानरेगा में हजारों मजदूरों की हजरियां लगा करके उन्हें मस्टरोल के जरिए पैसा दिया गया लेकिन धरातल पर क्या है, पंचायत समिति की इन पंचायतो में कितने पौधे आज भी विद्यमान है या लगाए गए हैं या यूं कहें कि भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुके हैं यह तो भगवान ही जाने,

डग पंचायत समिति की विकास अधिकारी महोदया कंचन बोहरा से जब इन पौधे और पौधा शालाओं के बारे में जानकारी लेनी चाही गई तो विकास अधिकारी ने पहले तो टालमटोल किया फिर ने चुप्पी साध ली।

जिस प्रकार से डग पंचायत समिति की पंचायतो में 12000 से 20000 तक पौधों की पौधा शालाएं बनाई गई चारागाह विकास कार्य में सैकड़ो पौधे लगाए गए यही नहीं इन पौधों के लिए लाखों रुपए पास किए गए लेकिन धरातल पर क्या है यह अपने आप में एक जांच का विषय है कहां गए यह हजारों की तादाद में लगे हुए पौधे और पौधा शालाएं और क्यों डग विकास अधिकारी ने इस मामले पर है खामोश,कही न कही ये सारी चीज़ों किसी बड़े भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रही है।

केवल विगत वर्ष 2025 - 26 में देखा जाए तो डग पंचायत समिति की कई पंचायतो में चारागाह विकास कार्य की एवं पौधारोपण के नाम से बड़े पैमाने पर बिल लगाए गए नरेगा मस्ट्रोल चलाई गई और पैसा उठाया गया।

जबकि दूसरी और कई गांव के ग्रामीणों ने गंगधार तहसील में पहुंचकर चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए ज्ञापन दिए जिस पर गंगधार तहसीलदार ने कई गांव में कार्यवाही करते हुए चारागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त भी करवाया था अब सवाल यह उठता है कि अगर चारागाह भूमि पर अतिक्रमण हो रहा तो फिर यह सेकड़ो पौधे कहां लगे और यह मस्टरोले कहां चली।

यह एक बड़ा और गंभीर जांच का विषय है अगर इसको लेकर जांच की जाती है तो बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार सामने आ सकता है जिसकी जड़ें कहीं ना कहीं तक पंचायत समिति से ही जुड़ी हुई है क्योंकि कोई भी नरेगा कार्य हो या पंचायत से जुड़ा कार्य हो बिना विकास अधिकारी की स्वीकृति के नहीं हो सकता है कहीं ना कहीं पूरे कुएं में भांग खुली हुई है इसलिए इस मामले को लेकर विकास अधिकारी खामोश है।

हिंदू धर्म में पौधों को चेतन माना जाता है उनमें भी प्राण होते हैं उनकी पूजा की जाती है।उन्हें देव स्वरूप में माना जाता है।ऐसे में एक फोटो के लिए किसी सजीव पौधे को मृत करना भी एक प्रकार से पाप की श्रेणी में ही आता है

ऐसे में केवल अपने निजी स्वार्थ के लिए पौधे लगाकर भूल जाना या उन्हें भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा देना कहां तक जायज है।

अवैध बजरी से भरे 02 वाहन ट्रेलर जब्त, 160 टन अवैध बजरी बरामद

● अवैध खनन के खिलाफ पुलिस थाना साकेत नगर की बड़ी कार्यवाही

चमकता राजस्थान/ब्यावर। जिला पुलिस अधीक्षक, ब्यावर रतन सिहं के निर्देशानुसार,भुपेन्द्र शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्यावर व राजेश कसाना वृताधिकारी वृत ब्यावर के सुपरविजन में अवैध बजरी खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने हेतु रेज पुलिस महानिरीक्षक महोदय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस थाना साकेत नगर द्वारा टीम का गठन कर कार्यवाही करते हुए 29.अप्रैल . 2026 को बाडिया श्यामा श्रीनाथ हॉटल के पास ट्रेलर नंबर RJ 14 GP 8952 और RJ21 GF 1014 को नाकाबंदी कर अकस्मात रोक कर चैक किया गया तो उक्त वाहनो में बजरी भरी पाई गई। जिसके सबंध में वाहन चालको से वैध दस्तावेज (रवन्ना / टीपी) चाहा गया तो कोई वैध दस्तावेज (रवन्ना/टीपी) नही होने पर बजरी से भरे वाहनों को मौके पर जब्त किया गया। उक्त दोनों वाहनों के विरुद्ध खनिज विभाग की रिपोर्ट पर एवं प्रचलित विधिक प्रावधानों के अंतर्गत अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध भविष्य में भी इसी प्रकार सख्त एवं निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी

● पुलिस टीम मे

गणपतराम उप निरीक्षक थाना प्रभारी ओमप्रकाश सहायक उप निरीक्षक जालाराम अशोक सिह ओमप्रकाश पुलिस थाना साकेत नगर जिला ब्यावर का सहयोग रहा।

एक दिवसीय कैम्पस प्लेसमेन्ट शिविर आयोजित

चमकता राजस्थान/बूँदी। उप क्षेत्रीय जिला रोजगार कार्यालय बूंदी एवं राजकीय महाविद्यालय बूंदी के छात्र परामर्श एवं प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय केंपस प्लेसमेंट शिविर का आयोजन राजकीय महाविद्यालय बूंदी के सेमिनार हॉल में किया गया। शिविर के उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि श्री पीसी मीणा प्राचार्य, जिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान बूंदी तथा अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अनीता यादव ने की। शिविर का शुभारम्भ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। शिविर में उपस्थित अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं सभी प्लेसमेंट एजेंसियों के प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह भेट कर स्वागत किया गया। छात्र परामर्श एवं प्लेसमेंट सेल के प्रभारी डॉ दिलीप राठौड़ ने स्वागत उदबोधन तथा शिविर का संक्षिप्त विवरण जिला रोजगार अधिकारी भेरूलाल नागर ने प्रस्तुत किया। अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अनीता यादव ने सभी आशार्थियो को प्लेसमेंट शिविर में अपनी योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त करने हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। विशिष्ट अधिकारी पीसी मीणा ने आईटीआई में संचालित विभिन्न कौशल कार्यक्रमों, प्रशिक्षण तथा पीएम इंटर्नशिप योजना के बारे में आशार्थियों को विस्तार से बताया। प्लेसमेंट कंपनियों के आए हुए प्रतिनिधियों ने अपनी कंपनी की आवशयकता अनुसार रोजगार के बारे में बताया। शिविर में कुल 15 निजी कंपनियों/प्रकोठ/स्टडी सेन्टर के प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिसमें सोशल टू सोशल संस्थान, जानकी ग्रुप एसोसिएट, गैलेक्सी कंप्यूटर एजुकेशन, फॉरेक्स कंपनी, सनशाइन स्किल सेंटर, चैतन्य इंडिया फिन क्रेडिट प्रा. लि., अडाणी विल्मोर बूंदी, वीलीड स्टॉपिंग प्रा लि. जयपुर, प्लेसमेन्टस सेल, इग्नू स्टडी सेन्टर, आईस्टार्ट कॉलेज लांचपेड, आदि ने भाग लिया तथा गैलेक्सी कंप्यूटर एजुकेशन द्वारा 03, युनिवर्सल शैम्पू जनरल इंशयोरेन्स ने 05 आशार्थियों का अंतिम चयन कर जॉब प्रदान की गयी। शिविर में नियोजन हेतु 117, प्रशिक्षण हेतु 54 तथा मार्गदर्शन 40 सहित लगभग 280 आशार्थियो ने भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

सात एडीजीपी को सौंपी गई रेंजों की कमान:

कानून-व्यवस्था पर होगी सीधी निगरानी

चमकता राजस्थान/जयपुर!(खलील कुरैशी) 29 अप्रैल। प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय ने अहम प्रशासनिक आदेश जारी किया है। इसके तहत सात अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एडीजीपी) स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों को विभिन्न रेंजों का प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह निर्णय जमीनी स्तर पर पुलिसिंग की गुणवत्ता में सुधार और मुख्यालय की प्राथमिकताओं की नियमित व उच्चस्तरीय समीक्षा सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है।

● किसे मिली कौन-सी रेंज की जिम्मेदारी:

महानिदेशक पुलिस (कानून एवं व्यवस्था) संजय कुमार अग्रवाल द्वारा जारी संशोधित आदेश के अनुसार एडीजी कार्मिक बीजू जॉर्ज जोसफ के. को भरतपुर रेंज एडीजी एटीएस/एजीटीएफ दिनेश एम. एन. को जयपुर रेंज एडीजी एवं निदेशक आरपीए संजीव कुमार नर्जारी को बीकानेर रेंज एडीजी एसओजी विशाल बंसल को कोटा रेंज एडीजी मुख्यालय हवा सिंह घुमरिया को जोधपुर रेंज व आयुक्तालय एडीजी विजिलेंस एस. सेंगथिर को उदयपुर रेंज एडीजी आर्म्ड बटालियन रुपिन्दर सिंह को अजमेर रेंज का प्रभारी नियुक्त किया गया है। पुलिस मुख्यालय के इस कदम के तहत इन वरिष्ठ अधिकारियों को संबंधित रेंजों में कानून-व्यवस्था की स्थिति की निगरानी, पुलिस की प्राथमिकताओं की उच्चस्तरीय समीक्षा तथा अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे प्रदेश में पुलिस कार्यप्रणाली में और अधिक मजबूती व जवाबदेही आने की उम्मीद है।

महानिदेशक गोविन्द गुप्ता के निर्देशन में एसीबी ने की कार्रवाई:

- **दलाल के जरिए 50 हजार की रिश्वत लेते नगर पालिका कर्मचारी गिरफ्तार**
- **पट्टा बनाने के बदले मांगे थे 60 हजार, 50 हजार पर हुआ सौदा**

चमकता राजस्थान/जयपुर (खलील कुरैशी), 29 अप्रैल। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बारां जिले की नगर पालिका अटरू में कार्यरत संविदाकर्मी सहायक कर्मचारी अजय सिंह को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस मामले में दलाल की भूमिका निभाने वाले पवन को भी एसीबी ने गिरफ्तार किया है।एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि 27 अप्रैल 2026 को एक परिवादी ने मोबाइल के माध्यम से शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में बताया गया कि उसके पिता के नाम लक्ष्मीपुरा गांव में प्लॉट का पट्टा बनवाने के लिए नगर पालिका अटरू में आवेदन किया गया था। इस कार्य के एवज में सहायक कर्मचारी अजय सिंह ने 60 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की।शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई। जांच के दौरान आरोपी अजय सिंह 60 हजार रुपये से घटाकर 50 हजार रुपये लेने पर राजी हो गया और रिश्वत की राशि निजी व्यक्ति पवन के माध्यम से देने को कहा। पवन 'कृष्णा कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियर्स' नामक दुकान (शॉप नंबर 04, नगर पालिका अटरू) पर बैठता है।कोटा रेंज के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश मीणा के सुपरवीजन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रेरणा शेखावत के निर्देशन तथा पुलिस निरीक्षक साजिद खान के नेतृत्व में एसीबी टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव एवं महानिरीक्षक एस. परिमला के निर्देशन में आरोपियों से पूछताछ जारी हैमामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने राजस्थान में पर्यटन क्षेत्र को गति देने पर केंद्रीय मंत्री से की चर्चा,

- **FHTR प्रतिनिधिमंडल की अहम सकारात्मक पहल**

चमकता राजस्थान/नई दिल्ली/जयपुर!(खलील कुरैशी)। सुरेन्द्र सिंह शाहपुरा के नेतृत्व में फेडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (ऋळळफ) के प्रतिनिधिमंडल ने कर्तव्य भवन में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत तथा पर्यटन सचिव भुवनेश कुमार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में गजराज सिंह जोधा, राजेन्द्र सिंह जोधा, महेंद्र सिंह, तरुण कुमार बंसल (अध्यक्ष, ळफअफ) सहित जोधपुरझमारवाड़ की प्रमुख ट्रैवल व होटल एसोसिएशनों के सदस्य शामिल रहे।बैठक में पर्यटन उद्योग से जुड़े अहम मुद्दों पर सारगर्भित चर्चा हुई। प्रमुख विषयों में होटल वर्गीकरण मानदंडों में सुधार, व्यवसाय करने में सुगमता, विदेशी पर्यटकों के लिए श्अळ रिफंड, वीज़ा नियमों का सरलीकरण तथा भूमि रूपांतरण की जटिलताएं शामिल रहीं। प्रतिनिधिमंडल ने इन बाधाओं के समाधान हेतु नीतिगत सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया, ताकि निवेश को बढ़ावा मिले और पर्यटन क्षेत्र अधिक प्रतिस्पर्धी बन सके।इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को सितंबर 2026 में प्रस्तावित राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (फळळट), जयपुर और मारवाड़ ट्रैवल मार्ट, जोधपुर के लिए आमंत्रित किया। इन आयोजनों का उद्देश्य अनुभवात्मक, एडवेंचर, सांस्कृतिक एवं हस्तशिल्प आधारित पर्यटन को बढ़ावा देकर विशेष रूप से थार क्षेत्र की संभावनाओं को राष्ट्रीय व वैश्विक मंच पर स्थापित करना है।

कोटा रेंज आईजी राजेन्द्र प्रसाद गोयल को दी गई विदाई

पुलिस मुख्यालय में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के नेतृत्व में गरिमामयी समारोह

चमकता राजस्थान

उत्कृष्ट सेवा के तहत भरतपुर रेंज आईजी कैलाश विश्नोई, कोटा रेंज आईजी राजेन्द्र प्रसाद गोयल और भीलवाड़ा के दुर्गालाल ढोली को मिली 'डीजीपी डिस्क',

जयपुर (खलील कुरैशी) 29 अप्रैल। पुलिस मुख्यालय में बुधवार को आयोजित रेंज समीक्षा बैठक के बीच एक विशेष सम्मान और विदाई समारोह का आयोजन किया गया। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में लंच के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं और उल्लेखनीय योगदान के लिए तीन पुलिस अधिकारियों को प्रतिष्ठित डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया और सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी को विदाई दी गई।समारोह के मुख्य चरण में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने विभाग के तीन अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवाओं और विशिष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित डीजीपी डिस्क प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले अधिकारियों में भरतपुर रेंज आईजी कैलाश विश्नोई, कोटा रेंज आईजी राजेन्द्र प्रसाद गोयल और भीलवाड़ा के दुर्गालाल ढोली शामिल रहे।

● आईजी राजेन्द्र प्रसाद गोयल का सम्मान के साथ विदाई अभिनंदन

इसी कड़ी में कोटा रेंज आईजी के पद से सेवानिवृत्त हो रहे राजेन्द्र प्रसाद गोयल का अभिनंदन किया गया। डीजीपी शर्मा, डीजी लॉ एंड ऑर्डर संजय अग्रवाल, डीजी ट्रैफिक अनिल पालीवाल और डीजी स्पेशल ऑपरेशन्स आनंद श्रीवास्तव ने स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके पुलिस विभाग में लंबे और गौरवशाली कार्यकाल की सराहना की। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके भविष्य के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।

● वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में उत्साहवर्धक माहौल

समारोह के दौरान पीएचक्यू के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी रेंज आईजी और जयपुर व जोधपुर के पुलिस आयुक्त उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक की गंभीरता के बाद लंच के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम ने विभाग में सकारात्मकता और उत्साह का संचार किया। कार्यक्रम का समापन सम्मान, सराहना और भावनात्मक विदाई के साथ हुआ।

वैशाली नगर पुलिस की बड़ी सफलता:

24 घंटे में 'टोपी वाले चोर' सहित 4 गिरफ्तार, 6 वारदातों का खुलासा

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)जयपुर पश्चिम के वैशाली नगर थाना पुलिस ने निर्माणाधीन मकानों में हो रही सिलसिलेवार चोरियों का त्वरित खुलासा करते हुए महज 24 घंटे में 'टोपी वाले चोर' सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए जले हुए तांबे के तार और कटे हुए बिजली के वायर भी बरामद किए हैं।पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण (आईपीएस) ने बताया कि क्षेत्र में लगातार मिल रही चोरी की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता के निर्देशन तथा सहायक पुलिस आयुक्त अनिल कुमार शर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी आरती सिंह तंवर के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

● सीसीटीवी से पहचान, रूट ट्रैक कर दबोचा

पुलिस टीम ने घटनास्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण कर संदिग्ध 'टोपी वाले चोर' की पहचान की और उसके मूवमेंट को ट्रैक किया। लगातार दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। साथ ही चोरी का माल खरीदने वाले अन्य तीन आरोपियों को भी पकड़ा गया।

● गिरफ्तार आरोपी

अबुबकर सिदीक्की उर्फ इमरान उर्फ फौदा (23) खालिद खान रईश खान (70)चाँद मिया (53)

● 6 वारदातों का खुलासा

पूछताछ में मुख्य आरोपी ने वैशाली नगर क्षेत्र में निर्माणाधीन मकानों और कार्यालयों से एसी व बिजली के तार चोरी की कुल 6 वारदातें करना स्वीकार किया है। इन मामलों में विभिन्न परिवादियों द्वारा अलग-अलग एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

● ऐसे करते थे चोरी

गिरोह का एक सदस्य कबाड़ फेरी के बहाने इलाके में घूमकर सूने और निर्माणाधीन मकानों की रेकी करता था। इसके बाद 'टोपी वाला चोर' मौके का फायदा उठाकर देर रात या दोपहर में पहुंचकर महंगे कॉपर वायर और एसी फिटिंग के तार काटकर चोरी कर लेता था, जिन्हें बाद में कबाड़ियों को बेच दिया जाता था।

● पुलिस टीम की अहम भूमिका

इस कार्रवाई में थानाधिकारी आरती सिंह तंवर, एएसआई राजेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल पर्वत सिंह और सुरेन्द्र कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

जयपुर में 23-25 मई को ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026

- **किसानों की समृद्धि और आधुनिक कृषि को मिलेगा बढ़ावा**
- **ग्राम रथ अभियान के तहत संध्या चौपालों में योजनाओं का व्यापक प्रचार, जनसुनवाई भी आयोजित**

चमकता राजस्थान/जयपुर (खलील कुरैशी), 29 अप्रैल। राज्य सरकार किसानों की आय में वृद्धि और कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से 23 से 25 मई तक जयपुर में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026 आयोजित करेगी। इस आयोजन में अधिकाधिक किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रदेशभर में ग्राम रथ अभियान चलाया जा रहा है।अभियान के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में प्रतिदिन संध्या चौपालों का आयोजन कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। स्थानीय लोक कलाकार आंचलिक भाषा में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी रोचक और प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुंचा रहे हैं।बुधवार को जिला कलक्टर संदेश नायक ने चोमू विधानसभा के धौबलाई स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित संध्या चौपाल का निरीक्षण किया। उन्होंने सरकार के सवा दो वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्मों और कलाजत्था प्रस्तुतियों का अवलोकन किया। साथ ही पेयजल, विद्युत सहित विभिन्न समस्याओं पर आमजन की जनसुनवाई कर त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

इसी क्रम में अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित संध्या चौपालों में भाग लेकर ग्राम रथ अभियान की गतिविधियों का जायजा लिया और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं।ग्राम रथ अभियान के माध्यम से सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं की जानकारी सरल व प्रभावी तरीके से पहुंचा रही है, जिससे अधिक से अधिक किसान एग्रीटेक मीट से जुड़कर आधुनिक तकनीकों का लाभ उठा सकें।

विभिन्न जोनों में अतिक्रमण हटाए, अवैध निर्माण सील

आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के निर्देश एवं डीआईजी आनंद शर्मा के सुपरविजन व मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन शिल्पा चौधरी के पर्यवेक्षण में जेडीए ने की बड़ी कार्रवाई

चमकता राजस्थान

14 करोड़ की बेशकीमती सरकारी भूमि कराई अतिक्रमण मुक्त

जयपुर!(खलील कुरैशी) 29 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जीरो टॉलरेंस और सुशासन के विजन के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा अतिक्रमण एवं अवैध निर्माणों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जेडीए प्रवर्तन शाखा ने 29 अप्रैल 2026 को विभिन्न जोनों में व्यापक अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन के निर्देशों पर की गई इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए उप महानिरीक्षक पुलिस आनंद शर्मा ने बताया कि जोन-17 के अंतर्गत ग्राम दौलतपुरा बैनाड़ (खसरा संख्या 717 व 718) में करीब 1.5 बीघा सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। यहां बनी बाउंड्रीवाल, निर्माणाधीन ढांचे सहित अन्य अवैध निर्माणों को जेसीबी मशीनों की सहायता से ध्वस्त कर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इस भूमि की अनुमानित कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये आंकी गई है।इसी प्रकार जोन-07 के विधानसभा नगर धाबास क्षेत्र में करीब 500 वर्गगज सरकारी भूमि पर विकसित किए गए अवैध गार्डन व अन्य कब्जों को हटाया गया। पेड़-पौधे लगाकर तथा मलबा डालकर किए गए इस अतिक्रमण को भी पूरी तरह साफ कर जेडीए स्वामित्व के बोर्ड लगाए गए। इस भूमि की कीमत करीब 4 करोड़ रुपये बताई गई है।वहीं जोन-24 में ग्राम बस्सी रीको एरिया के पास जय अम्बे प्रथम कॉलोनी स्थित प्लॉट संख्या 28 पर व्यावसायिक उपयोग के लिए बनाई गई अवैध फैक्ट्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। पूर्व में नोटिस दिए जाने के बावजूद अनुपालन नहीं करने पर जेडीए एक्ट की धारा 34(क) के तहत कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री के प्रवेश द्वारों को सील कर दिया गया। इस कार्रवाई में हुए करीब 1 लाख रुपये खर्च की वसूली संबंधित निर्माणकर्ता से की जाएगी।यह संपूर्ण अभियान मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन शिल्पा चौधरी के पर्यवेक्षण में, विभिन्न जोनों के प्रवर्तन अधिकारियों, राजस्व एवं तकनीकी स्टाफ तथा प्रवर्तन दस्ते की संयुक्त टीम द्वारा सफलतापूर्वक संचालित किया गया।जेडीए की इस सख्त कार्रवाई से स्पष्ट संदेश है कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण और अवैध निर्माण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

- 27 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 5 केन्टर सामान जब्त

चमकता राजस्थान/जयपुर!(खलील कुरैशी) 29 अप्रैल। नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में मगंल मार्ग बापू नगर, झालाना डुगरी वार्ड 73 से सेक्टर 1 गर्ल्स स्कूल मालवीय नगर तक, एयरपोर्ट रोड़, सेक्टर 6 प्रताप नगर, दुर्गापुरा पुलिया के नीचे, मंगलम सिटी कनकनपुरा, वैशाली नगर सी ब्लॉक से वैशाली सर्किल तक से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 27 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 5 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में मगंल मार्ग बापू नगर, झालाना डुगरी वार्ड 73 से सेक्टर 1 गर्ल्स स्कूल मालवीय नगर तक, एयरपोर्ट रोड़, सेक्टर 6 प्रताप नगर, दुर्गापुरा पुलिया के नीचे, मंगलम सिटी कनकनपुरा, वैशाली नगर सी ब्लॉक से वैशाली सर्किल तक से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 5 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 27 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

जिला कलेक्टर संदेश नायक के निर्देशन में अवैध गैस रिफिलिंग व कालाबाजारी पर की गयी बड़ी कार्रवाई

- ऑपरेशन 'प्रवर्तन' के तहत 35 सिलेंडर जब्त, दो आरोपियों पर FIR

चमकता राजस्थान/जयपुर,(खलील कुरैशी) 29 अप्रैल। राजस्थान सरकार एवं खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देशानुसार जयपुर शहर में गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण और रिफिलिंग पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन प्रवर्तन' के तहत जिला प्रशासन ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है।

- संयुक्त टीम की छापेमारी

जिला कलेक्टर संदेश नायक के निर्देशन में जिला रसद अधिकारी (जयपुर प्रथम) द्वारा गठित प्रवर्तन दल ने पुलिस थाना सांगानेर सदर से प्राप्त सूचना के आधार पर गोविंदपुरा (बक्शावाला), शिकारपुरा रोड पर संयुक्त छापेमारी की।

- मौके से अवैध सामग्री जब्त

कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से 35 घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर, एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा तथा एक इलेक्ट्रॉनिक मोटर जब्त की। यह सामग्री अवैध रिफिलिंग और भंडारण में प्रयुक्त हो रही थी।

- सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा

प्रारंभिक जांच में स्पष्ट हुआ कि बिना सुरक्षा मानकों के संचालित ऐसे अवैध रिफिलिंग केंद्र शहर में संभावित दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनते हैं, जिससे आमजन के जीवन एवं संपत्ति को गंभीर खतरा उत्पन्न होता है।

दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज इस प्रकरण में संलिप्त दो व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस थाना सांगानेर सदर में एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

- प्रशासन की सख्त चेतावनी

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ भविष्य में भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत विभाग को देकर कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

राजधानी जयपुर में अपराधी हुए बेलगाम: जीरों टॉलरेंस निति के दावों की निकल रही हैं खुलेआम हवा

- सब्जी विक्रेता पर हमला, लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई
- जयपुर में उधार विवाद ने लिया हिंसक रूप; उज्ज्ञ में कैद वारदात, आरोपी फरार

चमकता राजस्थान/जयपुर (खलील कुरैशी) राजधानी जयपुर के जयसिंहपुरा खोर थाना क्षेत्र में मामूली उधार विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। नींबू के पैसे मांगने पर एक युवक ने अपने साथियों के साथ मिलकर फल-सब्जी विक्रेता पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।पीड़ित पप्पू लाल सैनी, जो 2 नंबर बस स्टैंड के पास फल-सब्जी की दुकान लगाते हैं, ने बताया कि घटना 27 अप्रैल की रात करीब 10 बजे की है। कुंड रोड निवासी मोहित शर्मा नींबू लेने आया था। जब उससे पैसे मांगे गए तो वह भड़क गया और गाली-गलौच करते हुए लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया।हमले में दुकानदार के दोनों हाथों और पीठ पर गंभीर चोटें आईं। शोर-शराबा सुनकर आसपास के दुकानदारों और राहगीरों ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया, जिसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। जाते समय आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी।पीड़ित के अनुसार, आरोपी पहले भी कई बार उधार सब्जी लेकर पैसे नहीं चुका चुका है। घटना के बाद इलाके में लोगों की भीड़ जमा हो गई।इस संबंध में पीड़ित ने जयसिंहपुरा खोर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश जारी है।

समितियों को अधिक प्रभावी व क्रियाशील बनाया जाए : देवनानी

नेता विपक्ष टीकाराम जूली सहित उपस्थिति और परीक्षण बढ़ाने पर जोर, सभापतियों से विस्तृत चर्चा

चमकता राजस्थान

जयपुर, 29 अप्रैल (खलील कुरैशी)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा की विभिन्न समितियों को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और क्रियाशील बनाने की आवशयकता पर बल दिया। उन्होंने समितियों के सभापतियों के साथ बैठक कर सदस्यों की उपस्थिति बढ़ाने और परीक्षणों (रिव्यू) की संख्या में वृद्धि पर विशेष चर्चा की।

- विधानसभा समितियों की भूमिका अहम

देवनानी ने कहा कि विधानसभा की समितियां लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जो प्रशासनिक कार्यों की गहन समीक्षा कर सुधार सुनिश्चित करती हैं। वित्तीय समितियां जहां वित्तीय प्रबंधन की निगरानी करती हैं, वहीं जनलेखा समिति अंकेक्षण कार्यों को देखती है। इसके अलावा राजकीय उपक्रम समिति, एससी/एसटी, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण समितियां अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों और बजट उपयोग की समीक्षा करती हैं। पर्यावरण और प्रश्न-संदर्भ जैसी समितियां भी प्रशासनिक पारदर्शिता को मजबूत करती हैं।

- बैठक में प्रमुख उपस्थितियां

बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कालीचरण सराफ, राजेन्द्र पारीक, अर्जुनलाल जीनगर, फूल सिंह मीणा, हरिसिंह रावत, केसाराम चौधरी, नरेन्द्र बुडानिया, रमेश खींची, कल्पना देवी, कैलाशचंद्र वर्मा और जितेन्द्र गोठवाल मौजूद रहेविधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा भी बैठक में उपस्थित थे।

- समितियों को और अधिक सक्रिय बनाने पर जोर

विधानसभा अध्यक्ष ने समितियों को सदन का ''लघुरूप'' बताते हुए उनकी सक्रियता बढ़ाने की जरूरत जताई। उन्होंने सभापतियों से कहा कि वे सदस्यों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करें और प्रत्येक सदस्य को समिति कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करें, ताकि बैठकों का समय सार्थक रूप से उपयोग हो सके।

- परीक्षणों की संख्या बढ़ाने के निर्देश

देवनानी ने समितियों को संबंधित विभागों के मामलों में परीक्षणों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने सुझाव दिया कि हर महीने कम से कम दो परीक्षण अनिवार्य रूप से किए जाएं और विभागों से आवशयक जानकारी समय पर प्राप्त की जाए। यदि कोई विभाग समय बढ़ाने का अनुरोध करता है, तो उसे अधिकतम दो दिन की ही छूट दी जाए।

- सभापतियों के सुझाव

बैठक में सभापतियों ने समितियों की कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाने के लिए कई सुझाव दिए। इनमें बैठकों की संख्या 10 दिन तक बढ़ाने, मानदेय 3000 रुपये करने, घटनाओं-दुर्घटनाओं पर समितियों द्वारा स्वतः संज्ञान लेने, प्रत्येक जिले में मासिक समीक्षा करने तथा बैठक समय को सुव्यवस्थित करने जैसे प्रस्ताव शामिल रहे। साथ ही परीक्षण के दौरान वरिष्ठ विधानसभा अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का सुझाव भी दिया गया।

बदलाव की बयार: अपराध की दुनिया छोड़ मुख्यधारा में लौटा

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी), 29 अप्रैल। झालावाड़ जिला पुलिस के अभिनव कंजर पुनर्वास कार्यक्रम ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जिले के अत्यंत पिछड़े कंजर समुदाय के युवक मनोज कुमार ने राजस्थान होमगार्ड में चयनित होकर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समुदाय के लिए नई दिशा और उम्मीद की किरण जगाई है। यह जिले के इतिहास में पहला अवसर है, जब इस समुदाय से किसी युवक का सरकारी सेवा में चयन हुआ है।पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि चौमहला-गंगधार और झालावाड़ सर्किल के लगभग 20 डेरों में करीब 4300 कंजर समुदाय के लोग निवास करते हैं। वर्षों से सामाजिक उपेक्षा और अपराध की छवि से जूझ रहे इस समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देशय से जिला पुलिस ने पुनर्वास कार्यक्रम शुरू किया। इसका मुख्य लक्ष्य युवाओं को शिक्षा और रोजगार से जोड़कर अपराध के चक्र से बाहर निकालना है।

- कंजर समुदाय का युवा, राजस्थान होमगार्ड में चयन
- झालावाड़ पुलिस के पुनर्वास अभियान की बड़ी सफलता,
- जिले के इतिहास में पहली बार कंजर समुदाय से चयन

- संघर्ष से सफलता तक का सफर

बिरियाखेड़ी निवासी 25 वर्षीय मनोज कुमार ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हार नहीं मानी। शिक्षित होने के बाद भी बेरोजगारी से जूझ रहे मनोज को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी भागचन्द्र के मार्गदर्शन में नई दिशा मिली। 11 भाई-बहनों वाले परिवार में, जहाँ कई सदस्य अपराध में संलिप्त रहे, मनोज ने शिक्षा और ईमानदारी का रास्ता चुना। उनकी सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का प्रतीक बन गई है।

- सम्मानित हुआ जज्बा

मनोज कुमार की इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। एसपी अमित कुमार ने उन्हें सम्मानित करते हुए कहा कि मनोज की सफलता अन्य युवाओं को प्रेरित करेगी कि वे अपराध का रास्ता छोड़कर सम्मानजनक जीवन अपनाएं। इस अवसर पर नोडल अधिकारी भागचन्द्र, वृत्ताधिकारी हर्षराज सिंह, एएसआई मदन लाल और हैड कांस्टेबल बाबूलाल सहित पुनर्वास टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

- अभियान जारी, बदलाव जारी

झालावाड़ पुलिस का यह पुनर्वास अभियान लगातार प्रगति पर है। डेरों के बच्चों में शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। पुलिस का लक्ष्य इस समुदाय को स्थायी रूप से अपराध की छाया से बाहर निकालकर विकास की मुख्यधारा में स्थापित करना है।यह सफलता न केवल एक युवक की उपलब्धि है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की दिशा में उठाया गया एक मजबूत कदम भी है।

'फॉरेन लैंग्वेज कम्युनिकेशन स्किल प्रोग्राम' व्यापक स्तर पर हो आयोजित

- स्थानीय स्तर पर युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में जोड़ें
- रोजगार सृजन, परंपरागत आजीविका के साधनों को प्रोत्साहन सरकार की प्रमुख प्राथमिकताएं
- माय भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम :- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान/जयपुर!(खलील कुरैशी) 29 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 1 मई (शुक्रवार) को आयोजित होने वाला फॉरेन लैंग्वेज कम्युनिकेशन स्किल प्रोग्राम युवाओं को रोजगारपरक बनाने की दृष्टि में महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस आयोजन की गतिविधियों में अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में 'फॉरेन लैंग्वेज कम्युनिकेशन स्किल प्रोग्राम' कार्यक्रम की रूपरेखा एवं तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सुनिश्चित करने के साथ ही उन्हें रोजगार प्रदाता बनाने के लक्ष्य पर कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन एवं परंपरागत आजीविका के साधनों को बढ़ावा देना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति की भागीदारी से माय भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बन रहा है। इस प्लेटफॉर्म पर राजस्थान से 17 लाख से अधिक पंजीकरण हुए हैं। उन्होंने अधिकारियों को फॉरेन लैंग्वेज कम्युनिकेशन स्किल प्रोग्राम कार्यक्रम में इन युवाओं को जोड़ने के निर्देश दिए, ताकि उनकी विदेश में नौकरी करने के सपनों को पंख लगे। मुख्यमंत्री ने गौरवशाली भारतीय संस्कृति तथा राष्ट्रवाद जैसे राष्ट्रनिर्माण के विषयों से युवाओं को गहराई से जोड़ने पर भी बल दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि युवाओं को लोक कल्याणकारी योजनाओं, सरकार की उपलब्धियों के बारे में अवगत कराने के लिए विशेष रूपरेखा बनाई जाए। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित किए जा रहे हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने यंग लीडर्स से संवाद कर उनके सुझाव सुने। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सफाईकर्मी भर्ती पर हाईकोर्ट सख्त: 3 हफ्ते में जवाब तलब

चमकता राजस्थान/जयपुर (खलील कुरैशी)।

- प्रदेश में 23,820 पद खाली, जयपुर में 4 हजार से अधिक रिक्तियां

राजस्थान हाईकोर्ट ने लंबित सफाईकर्मी भर्ती को लेकर राज्य सरकार पर सख्ती दिखाई है। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने 2012 व 2018 की भर्ती से जुड़े मामले में सरकार व संबंधित विभागों को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अभिनव शर्मा ने कोर्ट को बताया कि प्रदेश में करीब 23,820 पद रिक्त हैं, जिनमें जयपुर में ही 4 हजार से अधिक पद खाली हैं, जिससे सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है याचिका में कहा गया कि 2012 की भर्ती रद्द करने का निर्णय 2014 में वापस लेने के बाद कुछ नगर निकायों में नियुक्तियां हुईं, लेकिन जयपुर सहित कई बड़े निकायों में अब तक भर्ती पूरी नहीं हुई। साथ ही, वाल्मीकि समाज के अभ्यर्थियों को वर्षों से लंबित रखा गया है, जबकि 2024 में सरकार ने जल्द भर्ती का आश्वासन दिया था।कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सरकार से स्पष्ट स्थिति पेश करने को कहा है। अब अगली सुनवाई में सरकार की कार्रवाई पर नजर रहेगी।

नीट परीक्षा तैयारी: मुख्य सचिव वी श्रीनिवासन ने की सख्त समीक्षा:

सुरक्षा व व्यवस्थाओं पर विशेष जोर दिये आवशयक दिशा-निर्देश

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी), 29 अप्रैल। प्रदेश में 3 मई को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा के सुचारू, सुरक्षित और निष्पक्ष संचालन को लेकर मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शासन सचिवालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर व्यापक तैयारियों का जायजा लिया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अधिक परीक्षा केंद्रों वाले और सीमावर्ती जिलों के कलेक्टर व पुलिस अधीक्षकों से सीधे संवाद कर व्यवस्थाओं की स्थिति परखते हुए आवशयक निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के लिए छाया, पेयजल, प्राथमिक उपचार, ओआरएस पैकेट और एम्बुलेंस जैसी बुनियादी सुविधाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहें। साथ ही सुरक्षा, ट्रैफिक और परिवहन व्यवस्था को सुचारू रखने के निर्देश दिए गए।

- बैठक में ये वरिष्ठ पुलिस प्रशासनिक अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका, प्रमुख शासन सचिव गायत्री ए. राठौड़, डीजीपी कानून-व्यवस्था संजय अग्रवाल वरिष्ठ आईपीएस अजयपाल लाम्बा, सूचना एवं जनसंपर्क आयुक्त राकेश शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

- जीरो टोलरेंस नीति से होगी परीक्षा

प्रदेश के 27 जिलों में 611 केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी की 'जीरो टोलरेंस' नीति लागू रहेगी। जयपुर, कोटा, सीकर, धौलपुर सहित कोचिंग हब और सीमावर्ती जिलों को संवेदनशील मानते हुए अतिरिक्त निगरानी के निर्देश दिए गए।

परीक्षा केंद्रों पर अनाधिकृत प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

पेपर लीक या किसी भी प्रकार की अनियमितता पर तत्काल आपराधिक कार्रवाई होगी।

सुरक्षा में लापरवाही को गंभीर अपराध माना जाएगा।सोशल मीडिया पर अफवाह या प्रश्नपत्र साझा करने पर सख्त साइबर कार्रवाई होगी।परीक्षा समाप्ति से पहले केंद्र छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।

- केंद्रों के आसपास सख्ती, दुकानें रहेंगी बंदः-संजय कुमार अग्रवाल

महानिदेशक पुलिस (कानून-व्यवस्था) संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि परीक्षा दिवस पर सभी केंद्रों के 300 मीटर दायरे में ई-मित्र, फोटो कॉपी और साइबर कैफे बंद रहेंगे। सभी विभाग समन्वय से काम कर परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करेंगे।

- अभ्यर्थियों को निशुल्क बस यात्रा

परिवहन विभाग ने परीक्षा दिवस पर अभ्यर्थियों के लिए रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की व्यवस्था की है। साथ ही सभी जिलों को पर्याप्त परिवहन सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-एनसीआर में देर रात बारिश और तेज हवाओं से मौसम बदला

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले कुछ दिनों से भीषण गर्मी और लू की मार झेल रहे दिल्ली समेत एनसीआर के निवासियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। रात से ही दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में चल रही तेज ठंडी हवाओं के साथ बारिश ने ने पारे को नीचे गिराना शुरू कर दिया है, जिससे लोगों को झुलसाती गर्मी से काफी हद तक निजात मिली है। मौसम का मिजाज बदलते ही साइबर सिटी गुग्राम में तेज बारिश शुरु हो गई जिससे लोगों को गर्मी से मिली। कुछ ऐसा ही नजारा ग्रेटर नोएडा और हापुड़ में भी देखने को मिला जहां लोगों ने राहत की सांस

ली। फरीदाबाद में भी सुबह से मौसम बदला रहा और हल्की बूंदाबांदी से लोगों को आराम मिला जेवर में सुबह से ही मौसम में बदलाव दिखा, तेज हवा और बादल छाने से मौसम सुहावना हो गया। हल्की बूंदाबांदी से धूल भरी आंधी से मिली लोगों को राहत मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दो-तीन दिन तक आसमान में बादल छाए रहने और तेज हवाओं के साथ आंधी में वर्षा की संभावना है। रात से ही 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, आज दिन भर आसमान में बादल छाए रहेंगे और कुछ हिस्सों में हल्की बूंदाबांदी की भी होगी। इसके चलते अधिकतम तापमान, जो पिछले दिनों 40-42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था, वह गिरकर 36-38 डिग्री सेल्सियस तक आने की उम्मीद है।

भाजपा में शामिल हुईं स्वाति मालीवाल ने बोला तीखा हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। आप छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाली सांसद स्वाति मालीवाल ने

आप की कार्यप्रणाली की आलोचना की। कहा कि आप झूठ व फरेब का उदाहरण बन गई है। अरविंद केजरीवाल को राजघाट पर बैठकर चिंतन करना चाहिए कि आखिर वह करना क्या चाहते हैं? न्याय व्यवस्था और प्रधानमंत्री पर सवाल उठाना और निजी टिप्पणी कर वह किस तरह की राजनीति करना चाहते हैं? मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि आप नेताओं की गलत राजनीति से त्रस्त होकर उन्हें आप छोड़ने का निर्णय लेना पड़ा। वह वर्ष 2006 में अरविंद केजरीवाल की संस्था से जुड़कर सामाजिक संघर्ष का रास्ता चुना था। झुग्गियों, गांवों व आपदा प्रभावित क्षेत्रों में रहकर काम किया और आरटीआइ की लड़ाई लड़ी। महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ी, अनशन किया, लाठियां भी खाई। पार्टी से लेकर दिल्ली महिला आयोग में की प्रत्येक जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभाई। मेरे वर्षों के संघर्ष को देखकर पार्टी ने राज्यसभा भेजा लेकिन कुछ ही महीनों बाद केजरीवाल के निजी सहायक ने उनके साथ मारपीट की। उन्हें बदनाम किया गया और संसद में बोलने के लिए पार्टी ने मौका नहीं दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लिए ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। अमित शाह के रूप में देश को एक दृढ़ और निर्णायक गृह मंत्री मिले हैं।

गंगा एक्सप्रेसवे पर रनवे सा एहसास: स्मार्ट कंट्रोल रूम

मेरठ से प्रयागराज सिर्फ 6 घंटे में पहुंचें

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-नोएडा से प्रयागराज की दूरी को कम करने वाले बहुप्रतिक्षित गंगा एक्सप्रेसवे को बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम जनता को सौंप देंगे। 594 किलोमीटर लंबे और 6 लेन वाली गंगा एक्सप्रेस की अनुमानित लागत करीब 36,402 करोड़ रुपये बताई जा रही है। स्मार्ट कंट्रोल रूम वाली सुविधा के साथ इस एक्सप्रेसवे पर ड्राइविंग के दौरान नींद की झपकी आने पर जगाने वाले फीचर का भी ध्यान रखा गया है।

गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ, हापुड़, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज समेत कई जिलों से होकर गुजर रहा है। इससे इन संबंधित जिलों के लोगों को आवाजाही में आसानी तो होगी साथ ही रोजगार के भी नए अवसरों की राह खुलेगी। इस एक्सप्रेसवे पर देश में पहली बार ट्रॉमा सेंटर की सुविधा भी मिलेगी।

दावा किया जा रहा है कि गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक की दूरी और समय दोनों को आधा कर देगा।

जहां पहले यही दूरी तय करने में 10 से 12 घंटे लगते थे। वहीं, अब यह लंबा सफर महज 5 से 6 घंटे में पूरा होगा। इस एक्सप्रेसवे का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यह यमुना एक्सप्रेसवे, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, जेवर लिंक एक्सप्रेसवे एवं नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जाने वाले मार्ग को जोड़ रहा है। साथ ही, हरिद्वार की कनेक्टिविटी को भी आसान बनाएगा। यही कारण है कि इसकी चौड़ाई भविष्य में बढ़ाकर 8 लेन भी की जा सकती है। आशा जताई जा रही है कि इससे उद्योग, कृषि, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन क्षेत्रों को बड़ा फायदा होगा। ऐसे में आने वाले समय में यह आर्थिक ढांचे की रीढ़ की हड्डी को मजबूत करने का काम करेगा। गंगा एक्सप्रेसवे को आधुनिक तकनीक से तैयार किया गया है। इसमें स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, आपातकालीन सेवाएं, कैमरा निगरानी और एयरस्ट्रिप जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

औद्योगिक और आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

गंगा एक्सप्रेसवे सिर्फ यात्रियों की दूरी को ही कम नहीं करेगा यह रोजगार के अनेक अवसर भी मुहैया कराएगा। इसे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। इसके किनारे 12 औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित करने की योजना है, जिनमें लगभग 47,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं।

दिल्ली में बिना हेलमेट की सवारी बन रही मौत का सबब, 15 अप्रैल तक 188 बाइकर्स की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जा रही है, जो अब गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। लोग अपनी सुरक्षा को नजरअंदाज करते हुए बेखौफ सड़कों पर मोटरसाइकिल और स्कूटी दौड़ा रहे हैं। हालात यह हैं कि कई वाहन चालक न सिर्फ बिना हेलमेट सफर कर रहे हैं, बल्कि चलते वाहन पर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए भी नजर आते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो इस वर्ष 15 अप्रैल तक सड़क हादसों में 188 दोपहिया वाहन चालकों की मौत हो चुकी है। चिंताजनक बात यह है कि इनमें से अधिकांश मामलों में चालकों ने हेलमेट नहीं पहना था। सिर्फ चालक ही नहीं, बल्कि अन्य लोग भी इस लापरवाही का शिकार हो रहे हैं। इसी अवधि में लापरवाही से दोपहिया वाहन चलाने वालों की चपेट में आने से 62 लोगों की जान चली गई। इससे साफ है कि बिना हेलमेट और असावधानी से वाहन चलाना न सिर्फ चालक के लिए, बल्कि सड़क पर मौजूद अन्य लोगों के

लिए भी खतरनाक साबित हो रहा है।

यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, दिल्ली में बिना हेलमेट वाहन चलाने के बढ़ते चलन को देखते हुए यातायात पुलिस ने भी सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर 15 अप्रैल तक 4.24 लाख चालान काटे जा चुके हैं। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए आगे भी सख्ती जारी रहेगी। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि केवल चालान काटने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि लोगों में जागरूकता बढ़ाना भी बेहद जरूरी है। जब तक लोग खुद अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं देंगे, तब तक हादसों में कमी लाना मुश्किल होगा।

सड़क सुरक्षा अभियान का भी नहीं दिख रहा असर

यातायात पुलिस द्वारा स्कूल, कॉलेजों, मॉल व अन्य सार्वजनिक जगहों पर सड़क सुरक्षा अभियान चलाकर वाहन चालकों को जागरूक किया जा रहा है। लेकिन इस सब के बाद भी लोगों की लापरवाही लगातार सामने आ रही है। यातायात पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इन अभियान चलाने का मुख्य उद्देश्य लोगों में जागरूकता लाना है, जिससे सड़क हादसों में होने वाली मौत के आंकड़े को कम किया जा सके।

दिल्ली विधानसभा में गूंजा बेसहारा गायों का मुद्दा, सड़क जाम और हादसों पर विधायकों की सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। सड़कों पर बेसहारा गायों के जमावड़े से जनता ही नहीं, विधायक भी परेशान हैं। मंगलवार को विधानसभा के एक दिवसीय सत्र के दौरान विशेष उल्लेख (नियम संख्या 280) के तहत अनेक विधायकों ने यह मुद्दा उठाया। विधायक श्याम शर्मा, कुलवंत राणा एवं हरीश खुराना ने इस पर प्रमुखता से अपनी बात रखी। उनका कहना था कि सड़कों पर जहां तहां बेसहारा गायों का झुंड देखने को मिल जाता है। दिन में यह झुंड ट्रैफिक जाम की वजह बनता है और रात के अंधेरे में हादसों का सबब। इन विधायकों का कहना था कि उनके कार्यालय में भी हर रोज इस संदर्भ में शिकायतें आती रहती हैं। इन सभी विधायकों की ओर से इस समस्या का गंभीरता से कोई निदान निकालने की मांग भी की गई। मांडल टाउन से विधायक अशोक गोयल ने अपने विधानसभा क्षेत्र में नशीले पदार्थों की उपलब्धता का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि खुलेआम नशे का कारोबार बढ़ रहा है और पुलिस भी इस पर लगाम नहीं लगा पा रही। ग्रेटर कैलाश से विधायक शिखा राय ने खिड़की एक्सटेंशन और प्रेस एनक्लेव के बीच ट्रैफिक जाम का मुद्दा उठाया। उन्होंने यहां से आउटर रिंग रोड तक लिंक रोड बनाने की मांग रखी। विधायक संजय गोयल ने फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की मांग रखी ताकि लंबित मामले निपटाए जा सकें। उनका कहना था कि न्याय देरी से मिलना नहीं मिलने के बराबर है। इसलिए इस दिशा में तेजी से काम होना चाहिए। विधायक कुलदीप सोलंकी ने खाद्य पदार्थों में मिलावट का मुद्दा उठाया और इसे लेकर सख्ती करने की मांग उठाई। विधायक गजेंद्र दराल ने अपने इलाके में पेयजल किल्लत की समस्या उठाई। उन्होंने मांग की कि उनके विधानसभा क्षेत्र में जल्द से जल्द जलापूर्ति की कमी दूर की जाए और पानी की लाइनें भी बदली जाएं। डा अनिल गोयल ने पूर्वी दिल्ली में ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था का मुद्दा रखा। साथ ही पूरे क्षेत्र का एक सर्वे करवाकर यहां की व्यवस्था सुधारने को यथावश्यक कदम उठाने की मांग की।

दिल्ली हाई कोर्ट ने अयोग्य घोषित उम्मीदवार को जेईई एडवांस्ड-2026 में बैठने की दी इजाजत

नई दिल्ली, एजेंसी। आइआइटी में प्रवेश स्वीकार करने के आधार पर अयोग्य घोषित किए गए उम्मीदवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को जेईई एडवांस्ड-2026 परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है। न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता को परीक्षा के लिए पंजीकरण करने की अनुमति दी और आयोजन अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर उसे टिकट जारी करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि आप इस संस्थान का महत्व नहीं समझते और आइआइटी दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित संस्थान है। कक्षा एक से ही बच्चों की यह महत्वाकांक्षा होती है कि उन्हें आइआइटी में सीट मिले। पीठ ने कहा कि यह बच्चों का सपना होता है और अदालत इसे अनदेखा नहीं कर सकता। पीठ ने कहा कि उम्मीदवार कल किसी अमेरिकी विश्वविद्यालय में प्रवेश ले लेगा और यह प्रतिभा पलायन होगा। अदालत ने आदेश दिया कि याचिकाकर्ता को 17 मई 2026 को होने वाली प्रस्तावित परीक्षा, जेईई एडवांस्ड 2026 में बैठने के लिए अब से एक सप्ताह के भीतर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार टिकट जारी कर दिया जाएगा। पीठ ने कहा कि यदि याचिकाकर्ता को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी गई, तो उसकी याचिका निष्फल हो जाएगी और यदि वह मुकदमा हार जाता है, तो उसकी परीक्षा रद घोषित की जा सकती है। उम्मीदवार की तरफ से पेश हुई अधिवक्ता तन्वी दुबे ने कहा कि उनके मुवक्किल जेईई (मेन्स) 2025 सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की और जेईई (एडवांस्ड) 2025 के लिए अर्हता प्राप्त की, लेकिन किसी भी संस्थान में प्रवेश नहीं लिया। अदालत को बताया गया कि काउंसलिंग के छठे दौर में, आइआइटी गुवाहाटी में एक सीट को स्वीकृत मान लिया गया और जुलाई 2025 में उसकी सहमति के बिना उसे आवंटित कर दिया गया। याचिकाकर्ता ने कहा कि यद्यपि उसने आइआइटी गुवाहाटी में शामिल होने की अनिच्छा तुरंत बता दी थी, फिर भी आयोजन समिति ने अधिकारियों ने उन्हें इस वर्ष आइआइटी प्रवेश परीक्षा में बैठने से रोक दिया क्योंकि वे जेईई एडवांस्ड 2026 के मानदंड ए-पांच के अनुसार पात्र नहीं है।

गृह विभाग की फंडिंग खत्म होने की कगार पर, टीएसए कर्मचारियों के वेतन पर भी खतरा; हवाई सुरक्षा पर असर की आशंका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक बार फिर सरकारी फंडिंग को लेकर बड़ा संकट खड़ा होता नजर आ रहा है। व्हाइट हाउस ने कांग्रेस को चेतावनी दी है कि डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी और उससे जुड़े अहम विभागों के पास कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए फंड जल्द ही खत्म हो सकता है। इससे देश की हवाई सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। प्रबंधन और बजट कार्यालय ने सांसदों को एक मेमो भेजकर बताया है कि परिवहन सुरक्षा प्रशासन और अन्य कर्मचारियों की सैलरी के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कार्यकारी आदेश से दिया गया पैसा मई तक खत्म हो जाएगा। इससे एयरपोर्ट संचालन और राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। सरकार का कहना है कि अगर जल्द ही बजट पारित नहीं किया गया तो सुरक्षा कर्मियों के वेतन और संचालन दोनों पर संकट गहरा जाएगा। मेमो में कहा गया है कि प्रतिनिधि सभा को सीनेट द्वारा पिछले हफ्ते पास किए गए बजट प्रस्ताव को जल्द मंजूरी देनी चाहिए, ताकि विभाग को पूरा फंड मिल सके। मेमो के अनुसार होमलैंड सिक्योरिटी विभाग जल्द ही जरूरी फंड से खत्म हो जाएगा, जिससे जरूरी कर्मचारियों और कामकाज पर खतरा पैदा हो सकता है। अमेरिकी

संसद में बजट को लेकर राजनीतिक खींचतान लगातार जारी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच सहमति न बनने के कारण कई महत्वपूर्ण विभागों की फंडिंग अटक गई है। इस बीच, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भी आंतरिक विवाद के चलते बजट प्रक्रिया धीमी पड़ गई है, जिससे पूरा सिस्टम लगभग ठप जैसा हो गया है। ट्रंप प्रशासन का यह दबाव हाउस स्पीकर माइक जॉनसन के लिए मददगार साबित हो सकता है। उनकी रिपब्लिकन पार्टी के पास बहुत कम बहुमत है और पार्टी के अंदर कई मुद्दों पर मतभेद चल रहे हैं, जिनमें होमलैंड सिक्योरिटी की फंडिंग भी शामिल है। इसी वजह से सदन का कामकाज लगभग ठप पड़ा हुआ है। अब उम्मीद है कि प्रतिनिधि सभा बुधवार को सीनेट द्वारा पास किए गए बजट प्रस्ताव पर वोट करेगी। यह प्रस्ताव एक ऐसी प्रक्रिया शुरू करेगा जिससे विभाग को पूरी फंडिंग मिल सकेगी। प्रशासन ने रिपब्लिकन सांसदों को चेतावनी दी है कि अगर वे इस प्रस्ताव में बदलाव करते हैं तो बिल पास होने में देरी हो सकती है। मेमो में यह भी कहा गया है कि ष्ठ।स् के लिए फंडिंग बहाल करना अब पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। इसका कारण हाल की एक घटना है, जब बंदूक और चाकू लेकर एक व्यक्ति व्हाइट हाउस संवाददाता डिनर में घुसने की कोशिश कर रहा था।

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर की संसद में बड़ी जीत

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने संसद में एक महत्वपूर्ण वोट जीत लिया है। सांसदों ने उनके खिलाफ नैतिकता जांच शुरू करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इस प्रस्ताव के विरोध में 335 और पक्ष में 223 वोट पड़े। विपक्ष ने आरोप लगाया था कि स्टार्मर ने पीटर मैंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत नियुक्त करने के मामले में संसद को गुमराह किया है। मैंडेलसन के संबंध यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से रहे हैं। इस विवाद के कारण स्टार्मर पिछले कई महीनों से भारी दबाव में थे। वोटिंग से पहले स्टार्मर ने अपनी लेबर पार्टी के सांसदों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने इस प्रस्ताव को विरोधियों का राजनीतिक स्टंट बताया। उन्होंने कहा कि स्थानीय चुनावों से ठीक पहले उन्हें काम करने से रोकने के लिए यह सब किया जा रहा है। दूसरी ओर, विपक्षी नेता केमी बेडनोच ने तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि जो सांसद इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट दे रहे हैं, उन्हें अपने विवेक की जांच करनी चाहिए। इस बीच, स्टार्मर के पूर्व मुख्य सलाहकार मॉर्गन मैकस्वीनी ने भी इस नियुक्ति को एक गंभीर गलती बताया और इसकी जिम्मेदारी ली। भले ही स्टार्मर ने यह वोट जीत लिया है।

पूर्व राष्ट्रपति येओल की पत्नी को चार साल की कैद, भ्रष्टाचार के मामले में ठहराई गई दोषी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने देश के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम किओन ही को भ्रष्टाचार के एक और मामले में चार साल की सजा सुनाई है। दो महीने पहले उनके पति को देश में जबरन मार्शल लॉ लगाने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

जनवरी में एक जिला अदालत ने पूर्व प्रथम महिला किम को 20 महीने की सजा सुनाई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने राजनीतिक लाभ देने के वादे के बदले यूनिफिकेशन चर्च से उपहार लिए थे। इन उपहारों में एक ग्राफ कंपनी का हीरे का हार और एक चैनल बैग शामिल था। हालांकि, उसी समय उन्हें एक शेयर कीमत में हेरफेर के मामले में बरी कर दिया गया था, जो मामला उनके प्रथम महिला बनने से पहले का था।

सियोल हाईकोर्ट ने सजा बढ़ाकर चार साल की: बाद में दोनों पक्षों ने इस फैसले के खिलाफ अपील की। मंगलवार को सियोल हाईकोर्ट ने उनकी सजा बढ़ाकर चार

साल कर दी। अदालत ने उन्हें यूनिफिकेशन चर्च से एक और चैनल बैग (कीमती हैंडबैग) लेने और शेयरों की कीमत में हेरफेर के मामले में भी दोषी पाया। दंपती की स्थिति उस समय बदली, जब दिसंबर 2024 में यून ने मार्शल लॉ लगाया, जिसके कारण उनके खिलाफ महाभियोग शुरू हुआ और उन्हें पद से हटा दिया गया। इसके बाद उन पर कई आपराधिक मामले चले। जांचकर्ताओं का कहना है कि किम का मार्शल लॉ लागू करने से कोई संबंध नहीं था।

अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति की पत्नी होने के नाते किम देश का प्रतिनिधित्व करती हैं और राष्ट्रपति पर उनका प्रभाव होता है। लेकिन उन्होंने ईमानदारी से काम नहीं किया और अपने प्रभाव का उपयोग करके उपहार प्राप्त किए। किम और स्वतंत्र जांच टीम दोनों के पास अब सर्वोच्च न्यायालय में अपील करने के लिए एक सप्ताह का समय है। जांच टीम ने पहले 15 साल की सजा की मांग की थी। जबकि किम के वकीलों का कहना है कि जांच राजनीतिक रूप से प्रेरित थी।

पिछले साल अगस्त से जेल में हैं किम: किम पिछले साल अगस्त से जेल में हैं। तब अदालत ने उन्हें सबूत नष्ट करने की आशंका के कारण गिरफ्तार करने का वारंट जारी किया था। अपने कार्यकाल के दौरान भी किम कई विवादों में घिरी रहीं, जिससे राष्ट्रपति की लोकप्रियता प्रभावित हुई। तीन दिसंबर 2024 को यून ने अचानक मार्शल लॉ लगा दिया था और संसद पर सैनिकों और पुलिस को भेज दिया। उन्होंने कहा था कि वह 'देश विरोधी ताकतों' और 'उत्तर कोरिया समर्थकों' को खत्म करना चाहते हैं। बाद में उन्होंने कहा कि यह कदम विपक्ष के खिलाफ संघर्ष के लिए जरूरी था। फरवरी में सियोल की एक अदालत ने यून को विद्रोह का दोषी पाया, क्योंकि उन्होंने सेना और पुलिस का उपयोग करके संसद पर नियंत्रण करने, राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार करने और लंबे समय तक बेरोकटोक सत्ता चलाने की कोशिश की थी।

ओपेक से बाहर हुआ यूएई: पाकिस्तान को लगा तगड़ा झटका, भारत को होगा फायदा?

अबुधावी, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात ने करीब 60 साल बाद ऑर्गेनाइजेशन ऑफ पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) से बाहर होने का फैसला किया है। यह कदम सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि राजनीतिक भी माना जा रहा है, जिससे सऊदी अरब और उसके करीबी सहयोगी पाकिस्तान पर असर पड़ सकता है।

यूएई और सऊदी अरब के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ था, खासकर तेल उत्पादन को लेकर। यूएई ज्यादा उत्पादन करना चाहता था, जबकि सऊदी अरब कम उत्पादन के पक्ष में था। इसके अलावा, यूएई पाकिस्तान से भी नाराज था, क्योंकि वह अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा था और ईरान के हमलों पर कड़ा रुख नहीं अपना रहा था।

ओपेक छोड़ने से यूएई को क्या फायदा? यूएई 1967 में ओपेक में शामिल हुआ था और यह संगठन का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है। लेकिन उत्पादन कोटा सऊदी अरब के नियंत्रण में होने से यूएई अपनी पूरी क्षमता से तेल निर्यात नहीं कर पा रहा था।ओपेक से बाहर होने के बाद अब यूएई अपनी जरूरत के हिसाब से उत्पादन बढ़ा सकेगा और ज्यादा मुनाफा कमा सकेगा। इस फैसले से सऊदी अरब की वैश्विक तेल बाजार में पकड़ भी कमजोर हो सकती है।

खाड़ी देशों के साथ बढ़ा मतभेद- यूएई ने यह फैसला ऐसे समय लिया, जब खाड़ी देशों की बैठक चल रही थी। ईरान के हमलों के बाद भी इन देशों के बीच कोई संयुक्त कार्रवाई नहीं हो सकी। रिपोर्ट्स के अनुसार, यूएई चाहता था कि सऊदी अरब और कतर मिलकर ईरान के खिलाफ कदम उठाएं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। राजनीतिक समर्थन न मिलने के कारण यूएई ने आर्थिक रूप से अलग रास्ता चुनने का फैसला किया। यूएई की सरकारी कंपनी के मुताबिक, उसका तेल उत्पादन 2027 तक 3.4 मिलियन बैरल प्रतिदिन से बढ़कर 5 मिलियन बैरल हो सकता है। ईरान के कारण पहले ही तेल उत्पादन में गिरावट आई है, जिससे ओपेक की सप्लाई भी प्रभावित हुई है। यूएई का यह कदम वैश्विक तेल बाजार के संतुलन को बदल सकता है।

पाकिस्तान फैक्टर भी अहम- यूएई पहले ही पाकिस्तान पर दबाव बना चुका है। हाल ही में उसने पाकिस्तान से 3.5 अरब डॉलर वापस ले लिए, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच बढ़ती नजदीकियां भी यूएई को पसंद नहीं हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ओपेक छोड़कर यूएई सऊदी-पाक गठजोड़ को भी कमजोर करना चाहता है। यूएई के इस फैसले से वैश्विक बाजार में तेल की सप्लाई बढ़ सकती है, जिससे कीमतों में कमी आ सकती है। इसका सीधा फायदा भारत जैसे आयात करने वाले देशों को मिलेगा।

क्योंकि उनका तेल खर्च कम होगा और महंगाई पर भी असर पड़ेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम भारत की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक साबित हो सकता है।

गांव-गांव तक विकास की ओर

चमकता राजस्थान

गंगापुरसिटी।(साबिरमोहम्मद) । गंगापुर सिटी/मे गांव-गांव तक विकास की दस्तकःआ ग्राम विकास रथ को मिली हरी झंडी, लोकगीतों के जरिए योजनाओं का होगा प्रचार गंगापुर सिटी। ग्रामीण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार और आमजन को सरकारी योजनाओं से सीधे जोड़ने के उद्देश्य से आज पंचायत समिति सभागार में एक भव्य एवं गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री मानसिंह गुर्जर जी ने ग्राम विकास रथ को हरी झंडी दिखाकर विधिवत रवाना किया। ग्राम विकास रथ के शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र के गांव-गांव तक विकास, जागरूकता और जनसंपर्क की नई पहल का शुभारंभ हुआ, जिसका उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, प्रशासनिक अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। सभागार में उपस्थित लोगों ने इस अभिनव पहल का जोरदार स्वागत किया और ग्राम विकास रथ को ग्रामीण जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

इस अवसर पर अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायी संबोधन में भाजपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री मानसिंह गुर्जर जी ने कहा कि ग्राम विकास रथ केवल एक प्रचार वाहन नहीं, बल्कि यह गांव-गांव तक विकास की दस्तक पहुंचाने वाला सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि इस रथ का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं राज्य सरकार के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना है, ताकि कोई भी जरूरतमंद, गरीब, किसान, महिला, युवा, श्रमिक या वंचित व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

श्री मानसिंह गुर्जर जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और जनसेवा का नया युग देखा है। प्रधानमंत्री जी ने गरीब कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, जनधन योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना सहित अनेक योजनाओं ने देश के करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी गरीबों, किसानों, मजदूरों और वंचितों के सच्चे हितैषी एवं मसीहा हैं, जिनके नेतृत्व में भारत निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि राजस्थान में मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में राज्य सरकार भी आमजन के हित में संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचे, इसके लिए प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के स्तर पर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। ग्राम विकास रथ इसी दिशा में एक प्रभावी माध्यम बनकर ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता और संवाद का नया अध्याय लिखेगा।

श्री मानसिंह गुर्जर जी ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे ग्राम विकास रथ को केवल एक कार्यक्रम न मानें, बल्कि इसे जनसेवा का अभियान समझकर प्रत्येक गांव, ढाणी और बस्ती तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी दें, पात्र व्यक्तियों को आवेदन और लाभ प्राप्ति के लिए प्रेरित करें तथा आमजन की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए सकारात्मक प्रयास करें। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी संभव है, जब अंतिम व्यक्ति तक सही जानकारी और सही मार्गदर्शन पहुंचे।

कार्यक्रम की विशेष आकर्षण शेर सिंह जी ढाई एंड पार्टी द्वारा प्रस्तुत लोकगीतों की सांस्कृतिक प्रस्तुति रही। लोक कलाकारों ने अपनी सुमधुर एवं प्रभावशाली लोकधुनों के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का सरल, सहज और जनभाषा में आकर्षक प्रचार-प्रसार किया। लोकगीतों में योजनाओं को इस प्रकार प्रस्तुत किया गया कि आमजन सहजता से उन्हें समझ सकें और उनसे जुड़ाव महसूस कर सकें। उपस्थित जनसमूह ने इस प्रस्तुति को बड़े उत्साह और तालियों के साथ सराहा। ग्रामीण परिवेश में लोकसंस्कृति के माध्यम से योजनाओं का प्रचार करना इस कार्यक्रम का विशेष एवं प्रभावी आयाम रहा, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

ग्राम विकास रथ अब क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार करेगा। यह रथ ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता का संदेश लेकर पहुंचेगा और लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ उन्हें लाभ लेने हेतु प्रेरित करेगा। रथ के माध्यम से न केवल योजनाओं का प्रचार होगा, बल्कि आमजन की समस्याओं, सुझावों और आवश्यकताओं को भी समझने का प्रयास किया जाएगा, जिससे शासन-प्रशासन और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित हो सके।

इस अवसर पर उप जिला कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्री बृजेंद्र मीणा जी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राम विकास रथ ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि जब योजनाओं की जानकारी सरल भाषा और सांस्कृतिक माध्यमों से लोगों तक पहुंचेगी, तब निश्चित रूप से अधिक से अधिक पात्र लोग लाभान्वित होंगे। उन्होंने इस पहल को प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

कार्यक्रम में पंचायत समिति प्रधान श्रीमती मंजू गुर्जर जी ने भी ग्राम विकास रथ की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं की जानकारी पहुंचाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं, किसानों, युवाओं और जरूरतमंद वर्ग को विशेष लाभ मिलेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह रथ गांव-गांव में जागरूकता का वातावरण तैयार करेगा।

कार्यक्रम के दौरान अन्य जनप्रतिनिधियों एवं वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए ग्राम विकास रथ को ग्रामीण विकास, जनजागरूकता और जनसंपर्क की दिशा में एक सराहनीय एवं दूरदर्शी पहल बताया। वक्ताओं ने कहा कि योजनाओं की सफलता केवल उनके निर्माण में नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और अंतिम व्यक्ति तक पहुंच में निहित होती है, और ग्राम विकास रथ इस उद्देश्य की पूर्ति का सशक्त माध्यम बनेगा।

इस अवसर पर उप जिला कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्री बृजेंद्र मीणा जी, पंचायत समिति प्रधान श्रीमती मंजू गुर्जर जी, जिला महामंत्री श्री विनोद अटल जी, जिला उपाध्यक्ष श्री दीपक सिंगला जी, श्री उदय सिंह गुर्जर जी, 'मन की बात' संयोजक श्री हेमंत शर्मा जी, श्री राम सिंह खटाना जी, मंडल अध्यक्ष श्री पुखराज सलेमपुर जी, श्री मिथलेश व्यास जी, श्रीमती सुनीता वैष्णव जी, श्री कमलेश महावर जी, श्री गोपाल धामनिया जी, श्री गोविंद पाराशर जी, श्री हुकम नेताजी जी सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सुगम एवं सुरक्षित यात्रा के लिए दून पुलिस ने यात्रा के लिए पेश की मिसाल

चमकता राजस्थान/देहरादून।(दीपक शर्मा बामनवास) महाराष्ट्र से आये श्रद्धालुओं की बस खराब होने पर ततपरता दिखाते हुए मैकैनिक की व्यवस्था कर अल्प समय में पुलिस द्वारा वाहन को कराया ठीक,यात्रा हेतु आये श्रद्धालुओं को सुरक्षित एव सुगम यात्रा का भरोसा दिलाते हुए वाहन स्वामी को यात्रा हेतु आये श्रद्धालुओं को नई बसें उपलब्ध कराई जाने की हिदायत दी गई।

दून पुलिस द्वारा उपलब्ध कराई गई त्वरित सहायता के लिये महाराष्ट्र से आये श्रद्धालुओं द्वारा दून पुलिस की सराहना की गई।

एसएसपी देहरादून डोभाल द्वारा जनपद के सभी यात्रा मार्गों पर सुगम एवं सुरक्षित यात्रा के उद्देश्य से आने वाले सभी श्रद्धालुओं की हर संभव सहायता हेतु अधीनस्थ अधिकारियों को सख्त निर्देशित किया हुआ है।

रोगियों का पोर्टल के माध्यम से होगा ऑनलाईन पंजीयन प्रशिक्षण मे दी जानकारी

चमकता राजस्थान/ब्यावर। बुधवार को आयुर्वेद विभागान्तर्गत जिला ब्यावर के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (AAM) पर कार्यरत समस्त सी.एच.ओ. तथा नर्स/कम्पा. को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (ABDM) के अंतर्गत IHMS (Integrated Hospital Management System) पोर्टल का प्रशिक्षण 29. अप्रैल .2026 को दोपहर 03.00 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय के वी. सी. सभागार में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में डॉ. हनुमान मीना, उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग अजमेर, डॉ सी.पी. सेन, सहायक निदेशक जिला आयुष कार्यालय ब्यावर तथा मास्टर ट्रेनर (क्लस्टर) डॉ. विनोद कुमार इत्यादि उपस्थित रहे। ट्रेनिंग में क्लस्टर पोर्टल के द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आने वाले रोगियों का पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन पंजीयन करने का प्रशिक्षण दिया गया।

घाणेराव के राजकीय गर्ल्स स्कूल में एचपीवी वैक्सीन सेशन आयोजित

चमकता राजस्थान/देसूरी। क्षेत्र के घाणेराव स्थित राजकीय गर्ल्स स्कूल में बुधवार को एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) वैक्सीन को लेकर जागरूकता एवं टीकाकरण सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाणेराव में कार्यरत एएनएम कल्पना गर्वा ने अभिभावकों को वैक्सीन के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचपीवी वैक्सीन भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम करती है। परामर्श के बाद अभिभावकों को प्रेरित कर छात्राओं का टीकाकरण भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के अध्यापकगण का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उन्होंने अभिभावकों और छात्राओं को जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभाई, जिससे टीकाकरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सका। स्थानीय स्तर पर आयोजित इस तरह के स्वास्थ्य सत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ने के साथ-साथ बालिकाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा को भी मजबूती मिल रही है।

अशोक चांदना पहुंचे रजमाना

चमकता राजस्थान/जयपुर। चौथ का बरवाड़ा उपखंड क्षेत्र के राजमान गांव में आज पूर्व कैबिनेट खेल मंत्री अशोक चांदना पहुंचे। राजमान में गायक कलाकार मनराज दीवाना के पुत्र मुंडन संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने आए थे रजमाना । जहां युवा वर्ग ने उनका भव्य स्वागत किया।साथ ही क्षेत्र की समस्याओं के बारे में अवगत भी करवाया।सैकड़ों कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते हुए हिंडोली विधायक ने सभी का आभार व्यक्त किया।साथ ही कहा कि कोई भी समस्या निसंकोच आप मुझसे कभी भी मिलने आ सकते हैं हाल ही भगवान देवनारायण मंदिर के सदस्य मेरे पास होली मिलन समारोह में शामिल होने गए थे उनकी मांग पर मैने रसोई धर्मशाला के लिए मार्बल पत्थर भेज कर कहा है कि ओर पत्थर की कमी हो तो आप बता देना मंदिर विकास के लिए हमेशा खड़ा मिलूंगा ।

बर्डिया लडाका में उग्र देवता सहित अन्य देव प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न, भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

चमकता राजस्थान/डग-29अप्रेल(कुन्दन व्यास)। क्षेत्र के ग्राम बर्डिया लड़ाका में समस्त ग्रामवासियों के जनसहयोग से बुधवार को उग्र देवता सहित भेरू महाराज, पोलियो महाराज,खोकली माता एवं श्री दुधाखेड़ी माता की प्राण प्रतिष्ठा विधिवत संपन्न हुई।दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में पंडित यज्ञाचार्य गोपाल जी व्यास जाजनी एवं उपाचार्य विष्णु व्यास के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ स्थापना की गई।कार्यक्रम के दौरान ग्राम के महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। पूर्णाहुति के पश्चात भव्य भंडारे का आयोजन किया गया,जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।आयोजन को लेकर पूरे गांव में उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला।

ग्राम रथ यात्रा का शुभारंभ किया विधायक रामस्वरूप लांबा ने उपखंड अधिकारी रहे मौजूद

चमकता राजस्थान

रघुनंदन पारीक श्रीनगर/अजमेर। ग्राम पंचायत श्रीनगर से ग्राम रथ अभियान का शुभारंभ हुआ। ग्राम रथ को ग्राम पंचायत श्रीनगर के बस स्टैंड स्थित पुराने चिकित्सालय परिसर से नसीराबाद उपखण्ड अधिकारी देवीलाल यादव व पंचायत समिती विकासधिकारी महेश चौधरी व विधायक रामस्वरूप लाम्बा ने हरि झंडी दिखाकर रवाना किया। ग्राम रथ श्रीनगर पंचायत समिति की सभी ग्राम पंचायत मे पहुंचेगा। ग्राम रथ अभियान से राज्य व केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओ की जानकारी देते हुए योजनाओ से वंचित लोगो को जागरूक कर योजनाओ से जोड़ा जायेगा।

ग्राम रथ अभियान मे सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने भाग लेते हुए अभियान की जानकारी प्रस्तुत की।

उपखण्ड अधिकारी देवी लाल यादव ने अधिकारियों को ग्राम रथ अभियान के सफल संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप 29 अप्रैल से 13 मई 2026 तक विधानसभा क्षेत्र नसीराबाद से इस अभियान के तहत एलईडी मोबाइल वैन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। विकासधिकारी महेश चौधरी ने बताया ग्राम रथ अभियान के अन्तर्गत विशेष रूप से किसानों एवं पशुपालकों को कृषि, पशुपालन एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

उपखण्ड अधिकारी ने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर कृषि एवं उद्यानिकी विभाग, कृषि विपणन, सहकारिता, पशुपालन, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, राजीविका, डेयरी तथा सिंचाई विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी रथ के साथ उपस्थित रहेंगे और आमजन को योजनाओं, नीतियों व उपलब्धियों की जानकारी देंगे।

बैठक में ग्राम रथ अभियान के सुचारू संचालन के लिए रूटचार्ट भी तय किया गया, जिसके अनुसार तय तिथियों पर विभिन्न ग्राम पंचायतों में रथ पहुंचकर जागरूकता गतिविधियां आयोजित करेगा। ग्राम रथ अभियान के दौरान नसीराबाद तहसीलदार राकेश, पटवारी कमल, नायब तहसीलदार अजयपाल जाजोरा, एईएन राहुल कुंडारा, पशुपालन विभाग से दिनेश चौधरी, कृषि विभाग से अभयराज दुलारा, रामसिंह, अतिरिक्त विकासधिकारी मुकेश काकाणी, एसएचओ पारूल यादव, ग्राम सेविका सुनिता शर्मा, प्रधानाध्यापिका नीता, उधान विभाग से रामप्रसाद यादव व पूर्व पंचायत समिति सदस्य धर्मेंद्र यादव, मंडल अध्यक्ष राहुल रावत, उपाध्यक्ष राजु सिंह रावत, महावीर मेघवंशी व सुनिता यादव सहित अन्य लोग शामिल रहे।

दून पुलिस द्वारा सुरक्षा भी, सेवा भी

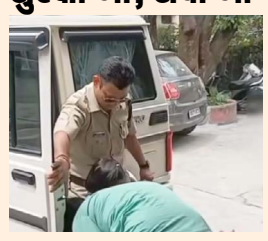

देहरादून (दीपक शर्मा बामनवास)। एसएसपी देहरादून द्वारा आम नागरिक को सुरक्षा और सेवा प्रदान करने की कोशिश लगातार जारी है, इसी कड़ी में चेकिंग के दौरान सीओ सिटी देहरादून ने दुर्घटना में हुई घायल मां-बेटी को देखकर उन्हें तत्काल पहुँचाया अस्पताल।

स्कूटी से सड़क दुर्घटना में घायल हुई थी मां और बेटी थी जिन्हें पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस का इंतजार किए बिना सरकारी वाहन से घायल को अस्पताल पहुँचाया।

पुलिस ने महिला के मोबाइल से परिजनों से संपर्क कर उन्हें तुरंत अस्पताल बुलाया, समय पर उपचार मिलने पर महिला के परिजनों ने दून पुलिस का आभार जताया। एसएसपी देहरादून द्वारा सभी अधीनस्थों को आम नागरिकों की सुरक्षा एवं संकट के समय एक परिवार के सदस्य की तरह हर संभव मदद किए जाने के सख्त निर्देश दिए हुए है।

विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले हानिकारक दुष्प्रभावों को रोकने हेतु करें अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार-डीएम

चमकता राजस्थान/अनिल शेखर/जयपुर। जिला स्तरीय नार्को कॉर्डिनेशन कमेटी की बैठक जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। उन्होंने सहायक निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता को जिले में नशा मुक्ति अभियान का संचालित करने के निर्देश दिए। नशा मुक्ति कार्ययोजना की रूपरेखा तैयार कर आमजन को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी आमजन को प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में महाविद्यालय एवं विद्यालयों के पास बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, तम्बाकू आदि नशीले पदार्थों की बिक्री ना हो। अवैध मादक पदार्थों की बिक्री व तस्करी करने वालों पर निगाह रखी जाना सुनिश्चित करें। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों के भण्डारण व क्रय-विक्रय की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करें। अवैध मादक द्रव्यों के क्रय-विक्रय में लिप्त व्यक्तियों की सूचना पुलिस को मौखिक अथवा लिखित रूप में दें जिससे पुलिस द्वारा कठोर कार्यवाही की जा सके। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि विद्यालयों में कार्यदिवस के दौरान नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले हानिकारक दुष्प्रभावों को रोकने हेतु अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाना सुनिश्चित करें। जिससे विद्यार्थियों में नशे की लत को दूर किया जा सके। बैठक के दौरान ड्रग्स के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत मानस नेशनल नारकोटिक्स हेल्पलाइन नम्बर 1933 के पोस्टर का विमोचन किया। बैठक में समाज कल्याण अधिकारी देवेन्द्र सिंह जांगल, औषधि निरीक्षक सहित संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नृत्य हमारे सामाजिक और संस्कृति विरासत को जीवित रखना है अविनाश शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर। जयपुर जागृति आर्ट सोसाइटी जयपुर की ओर से अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस के अवसर पर राजस्थानी, वेस्टर्न ,लोक नृत्य, कथक, सामूहिक नृत्य, फोक डांस की प्रतियोगिता का आयोजन हुआ इस प्रतियोगिता में विभिन्न स्तर के 125 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया इस अवसर पर निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में हम और हमारी संगीत संस्था के सदस्य जयपुर के नृत्य गुरु एवं सिंगर डॉ. यस .गोड़ एवं मंजुला गोड उपस्थिति रही जागृति आर्ट सोसाइटी जयपुर के अध्यक्ष अविनाश शर्मा ने कहा कि नृत्य आत्मा की भाषा है, जो शब्दों के बिना भावनाओं को व्यक्त करती है, यह केवल शरीर के हलचल नहीं बल्कि आत्मा, संगीत और संगीत लय का मिलन है, नृत्य में केवल शारीरिक स्वास्थ्य, लचीलापन, सहनशक्ति बढ़ता है बल्कि मानसिक,शांति ,आत्मविश्वास और भावात्मक अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। यह संस्कृति का प्रतीक है, नृत्य को अक्सर आत्मा की छिपी हुई भाषा कहा जाता है, जब हमारे पास भावनाओं को बयां करने के लिए शब्द नहीं होते तब शरीर की भाषा यानी नृत्य कहानी कह देती है ,यह कला मानव इतिहास की शुरुआत से ही हमारे जीवन का अभिन्न अंग रही है, नृत्य हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखता है यह लोगों को एकता के सूत्र में बाधता है, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नृत्यांगना मीनाक्षी माथुर ने कहा की नृत्य केवल मंच पर प्रदर्शन करने के लिए नहीं है ,यह जीवन का आनंद लेने तनाव कम करने और खुद को व्यक्त करने का एक जरिया है, तो जब भी आपको मौका मिले,संगीत की धुन पर झूम उठे और नृत्य के आनंद का अनुभव करें डॉ यश गोड ने सभी प्रतिभागियों कोनृत्य और संगीत की बारीकियां से अवगत कराया। पूर्व में संस्था की सचिव डॉ. आरूषी शर्मा ने सभी अतिथियों का पुष्प कुछ एवं स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया।

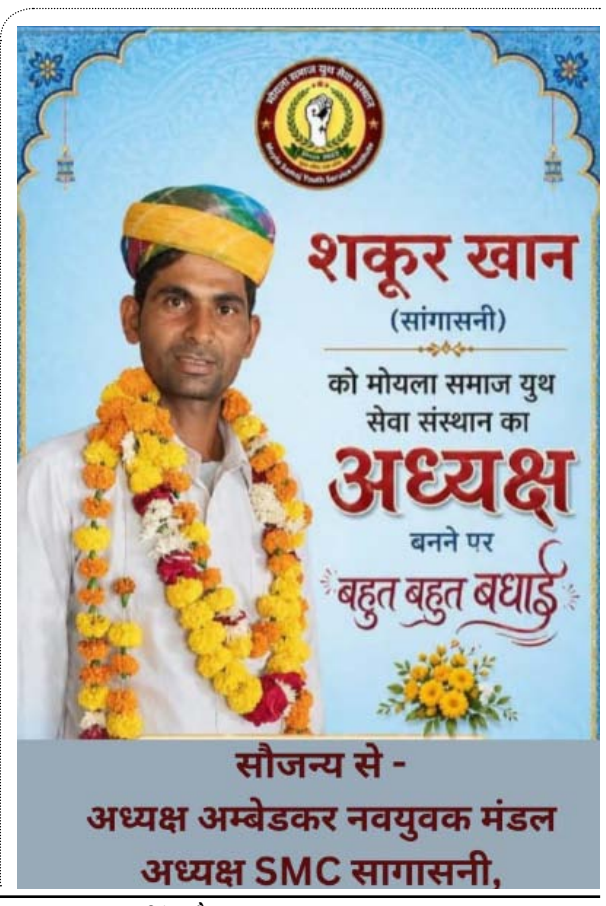

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929